हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला | अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

5

जबलपुर, मंगलवार 4 जून 2024

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

पशुओं को लू और तापघात से बचायें

मण्डला। पशुधन को भीषण गर्मी, लू एवं तापमान के दुष्प्रभावों से बचाने के लिए पशुपालन विभाग द्वारा पशुपालकों को एहतियात बरतने की सलाह दी गई है। तेज गर्म मौसम तथा तेज हवाओं का प्रभाव पशुओं की सामान्य दिनचर्या को प्रभावित करता है। भीषण गर्मी की स्थिति में पशुधन को सुरक्षित रखने के लिए विशेष प्रबंधन एवं उपायों, जिनमें ठंडा एवं छायादार पशु आवास, स्वच्छ पीने का पानी आदि पर ध्यान दिए जाने की आवश्यकता है। तेज गर्मी से बचाव प्रबंधन में जरा सी लापरवाही से पशु को लू नामक रोग हो जाता है। लू से ग्रस्त पशु को तेज बुखार हो जाता है और पशु सुस्त होकर खाना पीना बन्द कर देता है। शुरू में पशु की श्वसन गति एवं नाड़ी गति तेज हो जाती है। कभी कभी नाक से खून भी बहने लगता है। पशुपालक पशु आवास हेतु पक्के निर्मित मकानों की छत पर सूखी घास या कड़बी रखें ताकि छत को गर्म होने से रोका जा सके। पशु आवास के अभाव में पशुओं को छायादार पेड़ों के नीचे बांधना चाहिए। पशु आवास में आवश्यकता पड़ने पर बोरी के टाट को गीला कर दें, जिससे ठण्डक बनी रहेगी। पशु आवास गृह में आवश्यकता से अधिक पशुओं को नहीं बांधें तथा रात्रि में पशुओं को खुले स्थान पर बांधें। गर्मी के मौसम में पशुओं को हरा चारा अधिक खिलाएं। पशु में बीमारी के लक्षण दिखाई देने पर तुरन्त नजदीकी पशु चिकित्सा संस्था से सम्पर्क कर पशु का उपचार करावें, जिससे पशुधन तथा उसके उत्पादन में होने वाली हानि से बचा जा सकता है।

सकरहा नदी के जीर्णोद्धार से हजारों आदिवासियों को मिलेगा पानी

सकरहा नदी के कायाकल्प की अपील

*** पत्थर, मिट्टी अलग कर किया जाए पौधारोपण।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

आदिवासी बाहुल्य जिला मंडला के मोहगांव विकासखंड के अंतर्गत अनेक ग्राम आदिवासी और बैगा बाहुल्य है। इन्हीं आदिवासी और बैगा बाहुल्य क्षेत्र में ग्राम खम्हरिया नर्मदा क्षेत्र दलदली पहाड़ के किनारे बसा हुआ है। इसी दलदली पहाड़ से सकरहा नाम की नदी गुजरती है। जिसका बहाव खम्हरिया से उमरिया, सिंगारपुर और डोंगर गांव होते हुए करीबग दस किलोमीटर तय कर नर्मदा नदी में मिल जाती है। इस नदी के दोनों ओर आदिवासी गोंड़ एवं राष्ट्रीय मानव कहें जाने वाली बैगा जनजाति का भी रहवास है। मुख्यतः इस वर्ग का जीवन जंगल, पहाड़ से प्राप्त वनोपज, खेती और खेती हर मजदूरी पर निर्भर रहता है। इन वंशिदों को पानी पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध कराना सरकार की मनसा भी है।

जानकारी अनुसार करीब तीन हजार की आबादी वाले आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र ग्राम खम्हरिया के दलदली पहाड़ से निकलकर करीब दस किलोमीटर दक्षिण की ओर चलकर नर्मदा नदी में मिलने वाली सकरहा नदी के जीर्णोद्धार होने से यहां के आदिवासी वंशिदों को पेयजल समेत अन्य उपयोग के लिए पानी उपलब्ध हो सकेगा। यहां के ग्रामीण पानी के लिए वर्ष भर परेशान होते है। भीषण गर्मी में यहां के नदी, नाले सूख जाते है। जिससे दूर-दूर से ग्रामीणों को पानी लाने मजबूर होना पड़ता है। यहां की करीब तीन हजार आबादी वाले आदिवासी बाहुल्य गांव की हजारों एकड़ खेती के लिए सकरहा नदी के जीवंत होने से पर्याप्त पानी का इंतजाम हो सकता है।

समाजसेवी पीडी खैरवार ने बताया कि इस नदी से बारिश खत्म होते ही पानी का बहाव गायब हो जाता है। जबकि बारिश के बाद ही लोगों को पानी की ज्यादा जरूरत पड़ती है। तब इन गांवों के लोग को मवेशी और खेती की भूमि के लिए पानी के लाले पड़ जाते हैं। इस क्षेत्र में मवेशियों, ग्रामीणों को पीने का पानी, लोगों को नहाने और अन्य जरूरत पूरी करने के लिए पानी आवश्यक है। वहीं यहां के किसानों को खेतों में अच्छी पैदावार करने के लिए भी पानी की बेहद आवश्यकता होती है। लेकिन यहां बारिश के छोड़कर बाकी सीजन में पानी का नामोनिशान नहीं रहता है।

छोटी से पहल से मिली थोड़ी राहत

बताया गया कि ग्राम खम्हरिया के लोग पानी की समस्या का समाधान करने की वर्षो से मांग कर रहे है, लेकिन आज दिनांक तक इस समस्या का निराकरण नहीं किया गया है। वैसे तो वर्षो से चली आ रही जन मांग के बाद खम्हरिया की इसी नदी की एक धार के उद्गम स्थान पर ही एक छोटा सा बांध हाल ही में बनाकर तैयार किया गया है। जिसमें इस वर्ष पहली बार ही पानी भरा गया है। जिससे सकरहा नदी में पानी का धीमा बहाव होना गर्मियों के दिनों में भी शुरू हो गया है। जिससे मवेशियों और नदी के किनारे बसाहटों के रहवासियों को नहाने व अन्य निस्तार के लिए पानी थोड़ा बहुत मिल रहा है।

जीर्णोद्धार कर किया जाए पौधारोपण

यहां के ग्रामीणों का कहना है कि इस नदी के उद्गम स्थान से जहां तक यह नदी का बहाव है, यानी नर्मदा नदी तक। इस नदी क्षेत्र का सीमांकन करके नदी की चौड़ाई को आरक्षित करके इसके अंदर के पत्थर, मिट्टी के पुराव को हटाकर इसके दोनों ओर मजबूत मेंढ़ बना दिया जाए। इसके साथ ही मेंढ़ के ऊपर पहुंच मार्ग बनाकर किनारे -किनारे पौधारोपण किया जाए तो निश्चित ही इस नदी के किनारे बसे बसाहट को निस्तार का पानी ही नहीं पीने और सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध हो सकेगा। वर्षो से चली आ रही पानी की समस्या से इस सकरहा नदी के जीर्णोद्धार होने से समस्या का निजात मिल जाएगा।

मुहिम चलाकर किया जाए सकरहा नदी का कायाकल्प

बताया गया कि मप्र शासन के आदेशानुसार नमामि गंगे अभियान के क्रियान्वयन के लिए विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर 5 जून से 15 जून तक इस आदेश के अनुसार ग्राम पंचायतों के अंदर नदी, कुंए, बावडिय़ों, तालाब, बांध जैसे जल स्त्रोतों के आसपास किये गये अतिक्रमणों को हटाकर उनको जनोपयोगी बनाने की मुहिम भी चलाया जाना है। इसी मुहिम में इस नदी का भी कायाकल्प किये जाने की अपील आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र की ओर से की गई है।

खानापूर्ति नही विस्तृत रूप से प्राइवेट विद्यालयों की जांच करे प्रशासन

*** निजी विद्यालयों की जांच हेतु विद्यार्थी परिषद ने सौपा ज्ञापन।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

निजी विद्यालय की मनमानी आए दिन सामने आती रहती है,जिसे देख शासन ने इस बार सख्ती दिखाई है, परंतु देखा जाए तो आदिवासी बाहुल्य जिले मण्डला में जांच के नाम के केवल खानापूर्ति की जा रही है, जहा मण्डला प्रशासन अभी भी शिकायत का इंतजार कर रहा है। विद्यार्थी परिषद का कहना है कि बढ़ती फीस के साथ अनेकों अनियमितताएं प्राइवेट विद्यालयों में व्याप्त हैं, विद्यार्थी परिषद ने मांग कि है कि निजी विद्यालयों द्वारा न केवल अवैध रूप से अतिरिक्त शुल्क माँगा जा रहा है, अपितु निर्धारित स्थान से ही स्कूल ड्रेस तथा पुस्तक विक्रेताओं से सांठ-गांठ कर पुस्तकें भी ख़रीदने का दबाव अभिभावकों पर बनाया जाता है। पिछले 5 वर्ष में शुल्क में कितनी और क्यों वृद्धि की गई व विद्यालय के 5 वर्ष की आय व्यय की जांच, समस्त विद्यालय द्वारा फायर सेफ्टी एनओसी ली गई है या नही इसकी जांच,विद्यालय के शिक्षको की पात्रता शासन द्वारा दिए गए मापदड़ो के अनुसार है या नही इसकी जांच की जाए, सभी विद्यालय में विद्यार्थियो के लाने ले जाने के लिए प्रयोग किए जाने वाले वाहनों की जांच, विद्यालय के शिक्षक बिना किसी की अनुमति के कोचिंग चलाते है इसकी जांच की जाए। विद्यार्थी परिषद के नगर मंत्री प्रिंस सिंह ने बताया कि निजी विद्यालय की मनमानी चरम पर है शासन द्वारा प्रदेश में कार्यवाही की जा रही हैं परंतु मण्डला जिले में नाम मात्र की कार्यवाही केवल खानापूर्ति के लिए की जा रही है, प्रशासन को सही रूप से जांच करनी चाहिए एवं कमी पाएं जाने पर उचित कानूनी कार्यवाही होनी चाहिए। इस दौरान मण्डला विभाग संगठन मंत्री रामाधार सिंह बैंस, नगर मंत्री प्रिंस सिंह, राजेंद्र बंजारा,नयन यादव, उज्जवल कचवाहा, शोभित सिंगौर, अंकित, अभय नंदा आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जुआ पर कार्यवाही, 4 आरोपी जुआ खेलते पकड़ाए

मण्डला। जिले में अवैध गतिविधियों पर सख्ती से कार्यवाही की जा रही है। पुलिस अधीक्षक मंडला द्वारा जिले के समस्त थाना एवं चौकी प्रभारियों को क्षेत्र अंतर्गत अवैध गतिविधियों की जानकारी प्राप्त कर जुआ-सट्टा की गतिविधियों पर तत्काल वैधानिक कार्यवाही करने के लिए निर्देशित किया हैं। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मंडला व एसडीओपी नैनपुर के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी बलदेव सिंह मुजाल्दा के नेतृत्व में टीम गठित कर जुआ पर कार्रवाई की गई। टीम द्वारा जुआ खिलाने वाले व्यक्तियों के संबंध जानकारी एकत्र की गई। पुलिस टीम को मिली जानकारी के आधार पर कस्बा नैनपुर वार्ड नं 02 में जुआ खेलने वाले के खिलाफ कार्यवाही करने के लिए दबीश दी गई। दबिश के दौरान 04 जुआरियों को पकड़ कर 52 तास के पत्ते एवं छह हजार रूपए जप्त किये। जुआरियो के विरुद्ध धारा 13 जुआ एक्ट के तहत अपराध पंजी . कर विवेचना में लिया गया। पुलिस द्वारा क्षेत्र अंतर्गत अवैध कार्यों में लिप्त व्यक्तियों को चेतावनी भी दी की पुलिस द्वारा कार्यवाहीं निरंतर कि जाएगी। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी बलदेवसिंह मुजाल्दा, एएसआई भागचंद बोपचे, आर नवीन, आर पेयंत राणे, आर संजू भालेकर, आर देवेंद्र, आर सुरेश जैतवार की अहम भुमिका रही।

बैंकों में नहीं पेयजल की व्यवस्था, उपभोक्ता परेशान

*** 40 गांव के लोग पहुंचते है अंजनिया।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/अंजनिया

विकासखंड बिछिया की ग्राम पंचायत अंजनिया में संचालित बैंकों में उनके उपभोक्ताओं के लिए प्रबंधन के द्वारा पीने के पानी के पुख्ता इंतजाम नहीं किए गए हैं, ना ही बैंकों के सामने वाटर कूलर लगाया गया है और ना ही प्याऊ रखे गए हैं। क्षेत्रीयजनों ने बताया कि पेयजल की व्यवस्था ना होने से बैंक पहुंचने वाले उपभोक्ता पानी के लिए काफी परेशान होते है। जिसके कारण यहां आने वाले बैंक उपभोक्ताओं को पानी दुकानों से खरीदकर पीने मजबूर है।

बताया गया कि कई उपभोक्ता मजदूर, गरीब तबके के होते है, जो पानी खरीदकर पी नहीं सकते है, जिसके कारण प्यासे ही बैंक में अपना कार्य पूर्ण कर ही जाकर पानी पीने की व्यवस्था करते है। बैंक उपभोक्ताओं के पेयजल की व्यवस्था की और बैंक प्रबंधन का ध्यान नहीं है। उपभोक्ताओं ने मांग की है कि अंजनिया क्षेत्र में संचालित बैंकों में पीने के पानी की व्यवस्था की जाए।

ग्रामीणों ने बताया कि अंजनिया ग्राम में स्टेट बैंक, ग्रामीण बालाघाट बैंक के अलावा अन्य कियोस्क भी क्षेत्र में चल रहे हैं, लेकिन इनमें से किसी भी स्थानों में उपभोक्ताओं के लिए पीने के पानी की व्यवस्था नहीं है। उपभोक्ताओं ने बताया कि बैंकों में साल भर पीने के पानी की व्यवस्था एक दिन भी नहीं की जाती है। संचालित बैंकों में अंजनिया कस्बे के अलावा आसपास के 40 गांव के लोग रोजमर्रा से लेकर बैंक से संबंधित कार्यों के लिए अंजनिया आना होता है, लेकिन उन्हें प्यास लगने पर बैंकों में पानी की उपलब्धता नहीं होती है।

2 आरोपियों से सट्टा पर्ची व नगदी जब्त, मंडला पुलिस हिरदेनगर पुलिस की सट्टा के विरूद्ध कार्यवाही

मण्डला। पुलिस अधीक्षक मंडला द्वारा जिले के समस्त थाना एवं चौकी प्रभारियों को क्षेत्र अंतर्गत अवैध गतिविधियों की जानकारी प्राप्त कर जुआ सट्टा की अवैध गतिविधियों पर तत्काल वैधानिक कार्यवाही करने के लिए निर्देशित किया गया हैं। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मंडला व एसडीओपी मंडला के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी महाराजपुर निरीक्षक ममता परस्ते एवं चौकी प्रभारी हिरदेनागर उप निरीक्षक सुरजीत सिंह परमार के नेतृत्व में टीम गठित कर सट्टा पर कार्रवाई की गई। टीम द्वारा चौकी हिरदेनगर क्षेत्र अंतर्गत सट्टा पर्ची लिखने व सट्टा खिलाने वाले व्यक्तियों के संबंध जानकारी एकत्र की गई। पुलिस टीम द्वारा प्राप्त जानकारी के आधार पर रामनगर में अवैध सट्टा के खिलाफ कार्यवाही करते हुए दबीश दी गई। दबिश के दौरान ग्राम रामनगर में भागचंद भावरे पिता तुलाराम निवासी रामनगर से सट्टा पर्ची एवं नगद 860 रुपए जप्त किये गए। इसके साथ ही अन्य कार्यवाही में ग्राम मधुपुरी में आरोपी राजेश नंदा पिता डीलन नंदा निवासी ग्राम मधुपुरी के कब्जे से सट्टा पर्ची नीला डॉट पेन एवं 620 रुपये जप्त किया गया। चौकी हिरदेनगर थाना महाराजपुर में सभी आरोपियों के विरूद्ध वैधानिक कार्यवाही करते हुए धारा जुआ एक्ट के तहत अलग-अलग अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। पुलिस द्वारा क्षेत्र अंतर्गत अवैध कार्यों में लिप्त व्यक्तियों को चेतावनी भी दी की पुलिस द्वारा कार्यवाहीं निरंतर कि जावेगीं। अवैध सट्टा के खिलाफ कार्रवाई में थाना प्रभारी महाराजपुर निरीक्षक ममता परस्ते के नेतृत्व में चौकी प्रभारी सुरजीत सिंह परमार सउनि शिवशंकर राजपूत सउनि दुर्गा बिसेन प्रआर देवी सिंह मरकाम सैनिक संतराम की अहम भुमिका रही।

गणना | **तीन स्तर पर रहेगी मतगणन स्थल की सुरक्षा व्यवस्था।**

बिना प्रवेश पत्र के प्रवेश की नहीं होगी अनुमति

*** मतगणना स्थल पर मोबाइल प्रतिबंधित।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 के तहत जिले की बिछिया, निवास एवं मंडला विधानसभा क्षेत्रों की मतगणना 4 जून 2024 को शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय मंडला में होगी। मतगणना स्थल पर तीन स्तर पर सुरक्षा की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। प्रवेश पत्र के बिना किसी को भी परिसर में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। अभ्यर्थी, अभिकर्ता एवं गणना अधिकारियों की सुविधा की दृष्टि से मतगणना स्थल पर पर्याप्त मात्रा में संकेतक लगाए गए हैं। मतगणना स्थल पर मोबाइल, स्मार्ट वॉच सहित किसी भी प्रकार की इलेक्ट्रॉनिक डिवाईस प्रतिबंधित रहेगा। जिला प्रशासन द्वारा मतगणना से संबंधित समस्त तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं।

प्रत्येक विधानसभा के लिए 21-21 टेबिल

पूरे संसदीय क्षेत्र के डाक मतपत्रों की गणना पॉलीटेक्निक कॉलेज मंडला में की जाएगी जिनके लिए 10 टेबिल लगाई गई हैं। मंडला संसदीय क्षेत्र में समाहित डिंडौरी, शहपुरा, केवलारी, लखनादौन एवं गोटेगांव विधानसभा क्षेत्रों के ईव्हीएम के मतों की गणना संबंधित जिलों में की जाएगी। मंडला जिले की बिछिया, निवास एवं मंडला विधानसभा के मतों की गणना पॉलीटेक्निक कॉलेज मंडला में होगी जिनके लिए प्रति विधानसभा 21-21 टेबिल लगाई गई है।

प्रत्याशी, अभिकर्ता एवं मीडिया को मुख्य द्वार से मिलेगा प्रवेश

मतगणना स्थल पर तीन स्तर पर सुरक्षा की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। प्रवेश पत्रधारकों को ही पॉलीटेक्निक परिसर में प्रवेश दिया जाएगा। प्रवेश द्वार के अलावा बेरीकेटिंग तथा पॉलीटेक्निक भवन के गेट में भी जांच उपरांत पात्रतानुसार प्रवेश दिया जाएगा। पॉलीटेक्निक कॉलेज भवन के मुख्य द्वार से प्रत्याशी, अभिकर्ता तथा मीडियाकर्मियों को प्रवेश मिलेगा जबकि पॉलीटेक्निक भवन के पीछे सामग्री वितरण स्थल पर बने गेट से शासकीय अधिकारी, कर्मचारियों को प्रवेश दिया जाएगा।

मॉन्टफोर्ट तथा पॉलीटेक्निक भवन के पीछे रहेगी पार्किंग

मतगणना स्थल पर शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय के भवन के पीछे की ओर मैदान पर पार्किंग की व्यवस्था की गई है। पार्किंग स्थल तक जाने के लिए बीआरसी भवन के निकट बने गेट से वाहन सहित प्रवेश प्रदाय किया जाएगा। अभ्यर्थी, अभिकर्ता तथा गणना अधिकारियों के लिए पृथक-पृथक पार्किंग की व्यवस्था की गई है। मतगणना दिवस पर मोंटफोर्ट विद्यालय सहित अन्य स्थलों पर भी पार्किंग रहेगी।

प्रत्येक रांउड के बाद की जाएगी घोषणा

मतगणना के प्रत्येक राउंड के ईव्हीएम के मतों की गिनती के परिणाम को गणना कक्ष के डिसप्ले बोर्ड पर प्रदर्शित किया जाएगा, उसके बाद अगले दौर के मतों की गणना शुरू की जाएगी। प्रत्येक राउण्ड की समाप्ति पर ईवीएम मशीनों से की गई मतगणना के परिणामों की घोषणा की जाएगी। राउण्डवार मतगणना परिणाम की पब्लिक एड्रेस सिस्टम के माध्यम से उद्घोषणा की जायेगी।

श्री राम ने चढ़ाई प्रत्यंचा, हुआ सीता राम का विवाह

*** कनिष्ठ जगतगुरु शंकराचार्य श्रवण करा रहे श्रीराम कथा।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/निवास

निवास के ग्राम बिझौली में चल रही श्री राम कथा के छठे दिन राम-सीता विवाह प्रसंग सुनकर श्रद्धालु भाव विभोर हो गए। कथा का वाचन कर रहे कनिष्ठ जगतगुरु शंकराचार्य आत्मानंद महाराज जी ने श्रीराम-सीता के विवाह की कथा सुनाते हुए कहा कि राजा जनक के दरबार में भगवान शिव का धनुष रखा हुआ था। एक दिन सीता ने घर की सफाई करते हुए उसे उठाकर दूसरी जगह रख दिया। उसे देख राजा जनक को आश्चर्य हुआ, क्योंकि धनुष किसी से उठता नहीं था। राजा ने प्रतिज्ञा की कि जो इस धनुष पर प्रत्यंचा चढ़ाएगा, उसी से सीता का विवाह होगा। उन्होंने स्वयंवर की तिथि निर्धारित कर सभी राजा- महाराजा को विवाह के लिए निमंत्रण भेजा।

श्रीराम कथा में आगे बताया कि स्वयंवर में आए सभी लोगों ने एक-एक कर धनुष को उठाने की कोशिश की, लेकिन किसी को भी इसमें सफलता नहीं मिली। गुरु की आज्ञा से श्री राम ने धनुष उठा प्रत्यंचा चढ़ाने लगे तो वह टूट गया। इसके बाद धूमधाम से सीता व राम का विवाह हुआ। माता सीता ने जैसे प्रभुराम को वर माला डाली वैसे ही देवतागण उन पर फूलों की वर्षा करने लगे।

श्रीराम कथा के दौरान भगवान श्रीराम, सीता, लक्ष्मण की सुंदर झांकी प्रस्तुत की गई, इसके साथ ही श्री राम विवाह विधि विधान मंत्रोच्चारण, बेंड बाजे, आतिशबाजी के साथ श्री राम विवाह सम्पन्न हुआ। श्रीराम कथा के दौरान किसन भैया और गोलू ने विवाह संगीत की धुन पर भजन सुनकर श्रद्धालुओं को झूमने पर विवश कर दिया। कथा की समाप्ति के बाद सभी भक्तों को प्रसाद वितरण किया गया।

समाज सेवी को किया सम्मानित

ग्राम बिझौली में आयोजित श्रीराम कथा के चौथे दिवस कनिष्ठ जगतगुरु शंकराचार्य स्वामी आत्मानंद सरस्वती महाराज द्वारा निवास के क्षेत्रीय समाजसेवी रोहित प्रशांत चौकसे को श्रीराम कथा के प्रचार प्रसार करने और धार्मिक कार्यों में विशिष्ट योगदान के लिए कनिष्ठ जगतगुरु शंकराचार्य द्वारा माला पहनाकर आशीर्वाद देते हुए सम्मानित किया गया। इसके साथ ही कहा की इसी तरह धर्म का प्रचार प्रसार करते रहे।

खबर संक्षेप

तपती दोपहर में कचरा घरों पर भटकर रहे बच्चे

गाडरवारा। इस समय पड़ रही भीषण उमस भरी गर्मी व बदली के बीच से निकल रही सूर्य देव की तेज तपन के चलते जहां लोग अपने घरों से निकलने में डर रहे है, वही दूसरी ओर नगर की गलियों में अपने पेट की खातिर घूमने वाले बच्चों को देखते हुए शासन की योजनाओं पर सबाल खड़े होना आम बात जान पड़ रही है? गौर किया जावे तो जहां म प्र.सरकार ने विभिन्न जनहितैषी योजनाओं का संचालन जरूर किया है पर अभी भी चल रहा भीषण महॅगाई के दौर में गरीब परिवार की महिलाओं, बच्चो को कचरा घरो पर पन्नी, लोहे के टुकडे बीन कर अपना पेट भरने मजबूर होना पड़ रहा है। उल्लेखनीय है कि इन दिनों तपती दोपहर में गरीब परिवार के सैकड़ो बच्चे गलियो में कबाड़ बीनते दिखायी पड़ रहे है। मगर यह बडे ही विडम्बना की बात है कि ये गरीब बच्चे कबाड़ बीनने का काम उस समय कर रहे है जब शहर में स्कूल चले हम अभियान की शुरूआत हो चुकी है जिसके चलते शहरवासियों ने शिक्षा विभाग के अधिकारियो से अपेक्षा व्यक्त की है वे गरीबो के घरों में उन बच्चो का सर्वे कराये, जो शिक्षा से वंचित रहकर मजबूरी वश कबाड बीन रहे है।

दोपहरी में पन्नी एकत्र करते मासूम

गाडरवारा। भीषण गर्मी के चल रहे दौर में कंठो की अपने ठंडे जल से प्यास बुझाने वाले मटको, सुराहियों की जमकर पूछ परख हो रही है। शहर के कुम्भकारों के घरों से लोग मटके खरीदकर ले जा रहे है और बाहर से आकर भी कुम्भकार पिछले वर्ष की तुलना में विभिन्न आकार प्रकार वाले मटकों की कीमतों में आश्चर्य में डालनें वाला उछाल आने से बड़ी हिम्मत करके शहरवासी देशी फ्रिज खरीद रहे है। कुम्भकारों का कहना है कि मटके महॅगा बेचना इस साल उनकी मजबूरी है। क्योकि उन्हे आसानी से लकड़ी मिट्टी नही मिल रही है और सरकार की उपेक्षा के चलते उन्हे जिन्दगी बसर करने दूभर हो रहा है। कामथ वार्ड में निवास करने वाले युवा कुम्भकारों ने बताया कि उनके घरो में पीढ़ियों सें मिट्टी के वर्तन, दीपक, देवी देवताओं की मूर्तियॉ बनाने का काम होता आ रहा है, किंतु साल दर साल लकड़ी और मिट्टी के वर्तन बनाने की उपयोगी सामग्री महॅगी होती जा रही है, जिससे ग्राहकी प्रभावित होने के साथ उनकी समस्याएॅ भी बढ़ती जा रही है। कुम्भकारों की सुध सरकार नही ले रही है और अभी तक शासन स्तर पर उनकी पंचायत न बुलाते हुए प्रदेश सरकार की योजनाओं के लाभ से वंचित किया जा रहा है। कुम्भकारों ने प्रशासन से मॉग है कि उन्हे संवेदन शील ढंग से सस्ती मिट्टी, लकड़ी, बॉस उपलब्ध कराने की दिशा में पहल करें ताकि कम्भकारों के घरों में पिछड़ेपन का जो अॅधेरा व्याप्त है, वह छॅट सके।

मादक पदार्थो के सौदागरों द्वारा युवाओं को अपनी लच्छेदार की गिरफ्त में लेकर लत का शिकार बनाने का किया जा रहा प्रयास..?

गाडरवारा। इस बात से इंकार नही किया जा सकता है कि नगर की पुलिस द्वारा क्षेत्र में लगातार बढ़ रहे मादक पदार्थो के खिलाफ कार्यवाही नही कर रही है..? पुलिस द्वारा लगातार कार्यवाही करते हुये इस अवैध कारोबार में लिप्त रहने वाले लोगों को जेल की सलाखों के पीछे भेजने के बाद भी मादक पदार्थ के अवैध कारोबार पर अंकुश लगने से नही चूक रहा है तो दूसरी ओर देखा जा रहा है कि इस नशीले जहर के सौदागरों द्वारा अपना धंधा चमकाने की नियत से इस तरह के सेन्टरों पर अपनी आमद देते हुये देखे जा रहे है जहां पर युवा पूर्णरूप से स्वास्थ्य रहने की सोच के चलते कसरत करने के लिये पहुंचते है। मगर मादक पदार्थो के सौदागरों द्वारा इन सेन्टरों पर किसी भी प्रकार से इन सेन्टरों के भागीदार बनकर यहां पर मौजूद रहने वाले युवाओं को लत का शिकार होने के लिये प्रेरित करने से नही चूक रहे है।

सिर्फ दिखावा की जगह पेड़ बनाने के उद्वेश्य से होना चाहिये पौधा रोपने के आयोजन

सड़क किनारे रोपे गये सैकड़ों पौधे रख रखाव के अभाव में सूखकर हो गये बर्बाद, ट्री गार्ड बिखर कर बन रहे मात्र शोभा की सुपारी...

गाडरवारा

लगातार हो रही पर्यावरण के साथ खिलबाड़ तथा पौधा रोपण के नाम पर नेताओं से लेकर अधिकारियों द्वारा अपनाई जाने वाली औपचारिकता का परिणाम है कि जहां अब शुद्व हवा मिलना मुश्किल होने लगा है? यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो बीते हुये दो साल पहले कोरोना काल की दूसरी लहर के दौरान सैकड़ो लोगों की जान सिर्फ आक्सीजन के आभाव में जाने से नही चूक पाई है? इस तरह यदि पर्यावरण के साथ होती रही खिलबाड़ तो निश्चित तौर से हर व्यक्ति को शुद्व वायु मिलना मुश्किल हो जावेगा। यह बात अलग है कि बीते हुये अप्रैम मई माह में जिस तरह सूरज की तपन ने जो रूप दिखा गया हे उसके चलते बनी हुई स्थिति के चलते लोगों को पेड़ लगाने को लेकर जागरूकता देखने मिली है। मगर सबाल यह पैदा हो रहा है कि पेड़ लगाने के नाम पर मात्र औपचारिकता निभाने से हम पर्यावरण की रक्षा करने में कभी सफल नही हो पायेगे? अक्सर देखा जाता है कि अनेक आयोजनों के दौरान नेताओं से लेकर अधिकारियों द्वारा पौधा रोपित करते हुये अखबारों की सुर्खिया बनने से नही चूक पाते है। मगर शायद ही किसी नेता या फिर अधिकारी द्वारा रोपियत किये गये पौधा की वापिस खबर लेने का प्रयास किया गया कि आखिरकार उनके द्वारा रौपा गया पौधा सुरक्षित बचा भी है कि नही? यदि प्रकृति को हरियाली की चुनरी पहनाने की सच्चाई पर गौर किया जावे तो बीते हुये पांच वर्षो के दौरान जहां हर पंचायत द्वारा वृक्षारोपण के नाम पर पंचायतों में लाखों रूपया शासकीय राशि को खर्च करते हुये पौधा रोपित किये गये थें। मगर उस पौधा रोपण की जांच कराई जावे तो शायद ही किसी पंचायत में मुश्किल से पांच प्रतिशत पौधा सुरक्षित मिल पायेगे? इसी प्रकार का हाल अन्य शासकीय कार्यालयों से लेकर संस्थाओं का देखने मिलता है। इस बात से इंकार नही किया जा

सकता है कि प्रदेश की सरकार से लेकर शासकीय अधिकारियों द्वारा लगातार पौधा रोपण पर बल देते हुये बारिश का सीजन आने पर इस मुहिम को जोर शोर से चालू किया जाता है। मगर यह मुहिम मात्र रोपित करने तक ही सीमित होने के कारण आज तक प्रकृति हरियाली की चुनरी नही ओड पाई है। कुछ इसी प्रकार से बीते हुये दो वर्ष पहले जहां नगर में कुछ समाजसेवियों द्वारा शहर की सड़क किनारे लगभग 15 हजार पौधा रोपने की योजना बनाने के लिये एक बैठक का आयोजन किया गया था जिसमें अनेक समाज सेवी व नेतागण मौजूद रहे थें वही दूसरी ओर जिला स्तर पर भी संपूर्ण जिले में हजारों पेड़ लगाने की तैयारी की गई थी। उस समय प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा की जा रही तैयारियों से यह अनुमान लगने से नही चूक रहा है कि बारिश का सीजन शुरू होते ही निश्चित तौर से जहां तहां नेताओं से लेकर अधिकारियों द्वारा पौधा रोपण तो किया जावेगा। मगर उस समय भी यह सबाल यह पैदा हो रहा था कि उन पौधों को रोपने के बाद उनको सुरक्षित पेड़ बनाने तक की जिम्मेदारी ली जावेगी कि नही? मगर उस बैठक के बाद वह पौधे कहा रोपे गये दो साल का समय बीते जाने

के बाद आज तक किसी को कोई पता नही चल पाया है...? वही पौधा रोपने के बाद उन्हें नजर अंदाज करने की सच्चाई पर गौर किया जावे तो बीते हुये दो वर्षो से देखने मिल रहा है कि नगर के रेल्वे स्टेशन से लेकर चीचली की ओर जाने वाले मार्ग पर जहां हजारों की संख्या मे पौधा रोपण करते हुये जहां उन्हें सुन्दर ट्री गार्ड से सजाया तो गया था। मगर उनका उचित रख रखाब नही होने के कारण ट्री गार्डो के अंदर रोपित किये गये पौधा जहां सूख जाने के बाद गायब नजर आ रहे है। वही दूसरी ओर जिस जगह हरियाते हुये पौधा होना चाहिये थें उनके स्थान पर राजश्री गुटखा के पाऊच या फिर अन्य प्रकार की कचरा दिखाई देने से यह अनुमान लगने से नही चूक रहा है कि कही ऐसा तो नही कि यह ट्री गार्ड इस तरह कचरे की सुरक्षा के लिये स्थापित किये गये हो? इस तरह बीते हुये दो वर्षो से गाडरवारा से चीचली की ओर जाने वाले मार्ग पर किये गये पौधा रोपण की सच्चाई का हाल इस प्रकार से देखा जा रहा है कि जहां रख रखाव व पानी नही मिल पाने के कारण ट्री गार्डो के अंदर लगे हुये सैकड़ो पौधा सूख चुके है और यह ट्री गार्ड जहां सड़को पर बिखर जाने के कारण यातायात

व्यवस्था में खतरा बनने से नही चूक रहे है? इस तरह से मात्र दिखावे के लिये किये जाने वाला पौधा रोपण से पर्यावरण की सुरक्षा हो पाना जहां असंभव ही माना जा सकता है? यदि पर्यावरण की रक्षा को लेकर पौधा रोपण की मुहिम शुरू करनी है तो हर नेता से लेकर अधिकारी व आम जनता को पौधा रोपित करने से अधिक महत्वपूर्ण बात उसकी सुरक्षा की होती है, जब तक रोपित किये गये पौधा की सुरक्षा नही होगी तो वह मात्र रोपित तक ही सीमित होकर रहने से नही चूक पाता है। क्योंकि पर्यावरण की सुरक्षा रोपित किया गया पौधा नही कर सकता है उसे पेड़ की जरूरत होती है और रोपा गया पौधा पेड़ बनकर तैयार हो जावेगा तभी वह हमे आक्सीजन या फिर फल देने में सक्षम होगा। इस समय जिस प्रकार से प्रशासन के अधिकारियों से लेकर समाजसेवियों द्वारा आने वाले बारिश के दिनों में बड़े स्तर से पौधा रोपण की तैयारी की जा रही है बहुत अच्छी बात है। मगर नये पौधा रोपने के जगह यदि हमारे द्वारा जहां तहां सूखते हुये पेड़ो की सुरक्षा करने में सफलता पा ली जावे तो यह एक अच्छी पहल मानी जा सकती है।

आपरेशन मुस्कान के तहत पुलिस को मिली सफलता गायब हुई नाबालिग किशोरी को खोजकर सौंपा परिजनों को

गाडरवारा। इन दिनों जिला पुलिस अधीक्षक अमित कुमार के निर्देशन में पुलिस द्वारा लगातार कार्यवाही करते हुये जहां मादक पदार्थो के अवैध कारोबार में जुडे हुये लोगों को जेल की सलाखों के पीछे पहुंचाया जा रहा है तो दूसरी ओर आपरेशन मुस्कान के तहत गायब होने वाली किशोरियों को खोजने में भी सफलता मिल रही है। कुछ इसी प्रकार से बीते हुये दिवस गायब हुई एक किशोरी को खोजने में सफलता प्राप्त की गई है। जानकारी के अनुसार एक प्रार्थी द्वारा 28 मार्च 2024 को थाना गाडरवारा में रिपोर्ट दर्ज कराते हुये बताया गया था कि उसकी 16 वर्षीय लड़की बिना बताए कहीं चली गयी है । आस-पास एवं अन्य रिश्तेदारों के यहां बहुत तलाश करने पर भी उसका कोई पता नहीं चला है । वही प्रार्थी द्वारा आशंका व्यक्त की गई कि उसकी नाबालिक लड़की को कोई अज्ञात व्यक्ति बहला-फुसलाकर

अपने साथ ले गया है । वही पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लेकर गायब किशोरी की खोजबीन शुरू की गई जिसके चलते अपहृत 16 वर्षीय नाबालिक बालिका को बुदनी जिला सीहोर से खोजने के लिये गठित की गयी टीम द्वारा स्थानीय स्तर पर पतासाजी उपरान्त जानकारी प्राप्त करने हेतु तकनीकी माध्यमों से जानकारी प्राप्त की गयी एवं क्षेत्रीय मुखबिरों को सक्रीय किया गया । जिसके परिणाम स्वरुप सूचना प्राप्त हुई कि उक्त अपहृता बुदनी में हैं । सूचना प्राप्त होते ही तत्काल पुलिस टीम द्वारा बुदनी जिला सीहोर पहुँचकर अपहृता को खोजा गया। इस तरह गायब किशोरी को खोजने में उप पुलिस अधीक्षक रत्नेश मिश्रा के मार्ग दर्शन में नगर निरीक्षक उमेश तिवारी के नेतृत्व में बनाई गई टीम में सिहोरा चौकी प्रभारी एस आई विजय पाल, मनीषा तिल्हारे, प्रधान आरक्षक भास्कर पटैल, वरिष्ठ आरक्षक राजेश बागरी, दिनेश पटैल, ऐश्वर्य वेकट, महिला आरक्षक ज्योति दुबे, गीता अग्रवाल, आरती राजपूत की अहिम भूमिका बताई जा रही है।

चमचमाती गाड़ियों के माध्यम से जंगल में बरस रही लक्ष्मी बनी चर्चा का विषय..

गाडरवारा। इस समय जहां संपूर्ण पुलिस प्रशासन जहां लोक सभा चुनाव की मतगणना की व्यवस्थाओं में जुटा हुई देखा जा रहा है तो दूसरी ओर जिले में होने वाले एक बड़ी धार्मित आयोजन के चलते 52 पत्तों के शौकिन इस बात का शायद अनुमान लग चुके है कि समाज पेहरेदारों को अब क्षेत्र में होने वाले कृत्यों की खोज खबर लेने के लिये समय ही नही मिलेगा? इसी के चलते बीते हुये कुछ दिनों से समीपस्थ पतलोन डांग क्षेत्र में जिस तरह बेगम गुलाम द्वारा अपनी बादशाही दिखाई जा रही है उसका परिणाम है कि यहां पर मेले जैसे दृश्य दिखाई

देने से नही चूक रहा है? वही दूसरी ओर यहां के हालत इस तरह बनते हुये देखे जा रहे है कि 52 पत्तों के इस महाकुंभ में गाडरवारा क्षेत्र ही नही बल्कि जिले के कौने कौन के साथ अन्य जिलों के लोग भी चमचमाकती गाड़ियों से पहुंचकर डुबकी लगाते हुये देखे जा रहे है। वही दूसरी ओर लक्ष्मी जी का आर्शीवाद को यहां के जंगल में इस तरह से फैला हुआ देखा जा रहा है कि बडे बडे नोटों पर मानों कुबरे का खजाना ही यहां पर स्थापित हो चुका है। इस तरह बीते हुये कुछ दिनों से समीपस्थ पतलोन क्षेत्र में चल रहे 52 पत्तों का कारोबार संपूर्ण क्षेत्र में चर्चा का विषय बनने से नही चूक पा रहा है। सूत्रों से मिल रही जानकारी के अनुसार बताया जा रहा है कि यहां पर प्रतिदिन लाखों के दांव लगने के कारण अब 52 पत्तों के सौकीनों को गिनत के लिये मुनिम लेकर जाने की चर्चाये सुनाई देने लगी है।

मुख्य मार्गों के किनारे लगे हुये पेड़ों को आग लगाते हुये गिराये जाने से बढ़ रहा खतरा

गाडरवारा। राष्ट्रीय स्तर के मार्गो के किनारे लगे हुये पेड़ों को लोगों द्वारा उनके बीच आग लगाते हुये खोखला करते हुये गिराये जाने के चलते आम लोगों के लिये खतरा बनने से नही चूक रहा है, इस बात की सच्चाई बीते दिवस गाडरवारा करेली मार्ग पर ग्राम बम्हौरी के पास उस समय देखने मिली जब एक भारी भरकम पेड़ मुख्य मार्ग पर गिर जाने के कारण इस मार्ग की यातायात व्यवस्था काफी समय तक प्रभावित होते हुये देखी गई। बताया जाता है कि तत्वों द्वारा इन पेड़ो के बीच में आग

रखते हुये जला दिया जाता है जिसके चलते पेड़ों का मुख्य तना कमजोर हो जाने के कारण पेड़ गिर जाते है, इस स्थिति के चलते कभी कभी यह स्थिति रहती है कि आग से जल जाने के कारण काफी समय तक यह पेड़ खड़ा रहता है, जिसके चलते मार्ग से निकनले वाले लोगों के लिये खतरा बनने से भी नही चूकता है। क्योंकि आग से जलने के बाद इस प्रकार से पेड़ के खड़े रहने के कारण जरा भी हवा चलते हुये पेड़ गिरने की स्थिति में आ जाता है इस दौरान यदि मार्ग से कोई वाहन निकल रहा हो तो वह उसकी चपेट में आने से भी नही बच पाता है, मगर इस सच्चाई को जिम्मेदारों द्वारा नजर अंदाज किये जाने के कारण पेड़ो को आग के हवाले करने वालों के हौसले जहां बुलंद नजर आ रहे है वही दूसरी ओर आम लोगों के जीवन के लिये खतरा बनने से भी नही चूक पा रहा है।

गांवों में बदहाल विद्युत लाईनों से हो रही बिजली सप्लाई से परेशान किसान

गाडरवारा। जहां एक ओर बिजली विभाग द्वारा क्षेत्र के किसानों से बिजली बिलों की बसूली को लेकर तो अपना पूरा जोश लगाया जा रहा है, मगर वही दूसरी ओर क्षेत्र के फैली बिजली लाईनों के सुधार कार्य से लेकर उनके रख रखाब में इस प्रकार की उदासीनता बरती जाती है कि जहां तहां झूलते हुए बिजली तारों से निकलने वाली आग की चिंगारियों से किसानों के खेतों में जहां खड़ी हुई फसले जलकर खाक हो जाती है या फिर बिजली से लगने वाले करेन्ट के कारण लोगों को बेमौत काल के गाल में समाने के लिए मजबूर होना पड़ता है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस क्षेत्र में अनेक जगहों पर देखने मिल रही है जहां पर बिजली विभाग के उदासीनता के चलते मुख्य मार्गो पर झूलते हुए बिजली तारों की स्थिति इस प्रकार से बनी हुई है कि कभी भी कोई बड़ी घटना घटित होने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है? बताया जाता है कि क्षेत्र के किसानों द्वारा अपनी सुरक्षा के लिए अपने स्तर पर लकड़ी के

खम्बा लगाते हुए व्यवसथा बनाई गई है जिसके चलते क्षेत्र की बिजली सिर्फ लकड़ी के खम्बों भरोसे चलते हुए जान पड़ रही है? इस बात की सच्चाई इस समय ग्रामीण क्षेत्रों में देखने मिल रही है जहां पर बताया जाता है कि किसानों के लिए बनी हुई सार्वजनिक रास्ते के ऊपर बिजली तार इस प्रकार से झूलते हुए नजर आ रहे है कि उन तारों से कभी भी कोई वाहन टकरा सकता है, इस बात की

जानकारी बिजली विभाग के बड़े अधिकारियों से लेकर छोटे कर्मचारियों को होने के बाद भी किसी भी प्रकार का सुधार नही किये जाने से इस बात का अंदेशा लग रहा है कि शायद बिजली विभगा के अधिकारी क्षेत्र में कोई बड़ी घटना घटित होने का इंतजार कर रहे है?

मौसम अनुकूल न रहने से फसलों पर हर वर्ष पड़ रहा है दुष्प्रभाव, खेती के प्रति नई पीढ़ी का हो रहा मोह भंग

सडूमर। किसान की जिंदगी परिश्रम की पर्याय होती है, यदि खेती की अनुकूल परिस्थितियाँ हो तो अन्नदाता कृषक से ज्यादा भाग्यशाली किसी भी वर्ग का व्यक्ति नहीं माना जाता? क्योंकि खेत किसान की आत्मा में बसे होते हैं जिन पर फसल लहलहाने की आस वह सदा अपनी आंखों में संजोए रखता है, लेकिन यदि मौसम साथ न दे तो किसानों की उम्मीदें किस तरह टूट जाती हैं, इस बात की सच्चाई इस समय क्षेत्र के ग्रामीणांचलों में साफ तौर पर देखने मिल रही है। क्योंकि इस समय जहां किसानों के खेतों में गेंहू, चना, मसूर सहित अन्य फसले तैयार होकर खड़ी हुई है तथा कटती चली जा रही है। मगर वही दूसरी ओर बीते हुये दिनों हुई अचानक ओलावृष्टि व बारिशस ने क्षेत्र के अनेक गांवों में किसानों की फसलों को बर्बाद कर दिया गया है तो दूसरी ओर आये दिन आसमान पर बादलों को डेरा जमने के कारण किसानों की रात की नींद गायब हो चुकी है? क्योंकि विगत पांच वर्षो से जहां किसान प्राकृतिक आपदा से जूझते हुए अपनी फसले खराब होने के कारण परेशान चल रहा है, वही दूसरी ओर इस वर्ष किसानों को उम्मीद थी कि शायद उसकी फसले अच्छी पैदा होगी। मगर इस वर्ष भले ही फसलों के ऊपर तो विशेष तौर से कोई प्राकृतिक आपदा नही पड़ी थी, मगर फसल तैयार होकर कटने की नौबत आते ही क्षेत्र के कुछ गांवों में ओलावृष्टि व बारिश ने किसानों की आंखो में आंसू ला दिये है। क्योंकि इस समय फसलों की कटाई का सीजन चल रहा है। मगर मौसम के खेल के कारण अब किसानों को अपनी फसल काटने के लिये परेशान होना पड़ रहा है। वही दूसरी ओर प्रतिदिन बन बिगड रहे मौसम के कारण किसानों को अपने खेतों से फसल उठाने के लिये दिन रात एक करते हुये देखा जा रहा है। क्योंकि जिस प्रकार से बीते हुये एक पखबाडे के पहले क्षेत्र के कुछ गांवों में आसमान से गिरे हुये ओलों में तबाही मचाई गई है उसके चलते क्षेत्र के किसान पूर्णरूप से बर्बादी की कगार पर पहुचते हुये दिखाई देने से नही चूक रहे थें। इस तरह प्रतिदिन बन बिगड़ रहे मौसम के चलते इस समय किसान किसी भी प्रकार से खेतों से फसल की कटाई करते हुये थ्रेशिंग करने में जुटा हुआ दिखाई दे रहा है। अक्सर देखा जाता है कि जहां किसानों को लगातार प्रकृति की मार झेलने के लिए मजबूर होना पड़ता है। वही दूसरी ओर जब किसानों को अपने खेतों में बोनी करने का अवसर आता है तो उस समय भी जहां किसानों को खाद सहित अन्य जरूरी सामग्री की कमी आने के कारण वह समय पर नही मिलने के चलते मजूबरी बस किसानों को महंगे दामों में कालाबाजारी के माध्यम से खरीदेते हुए अपनी फसले बोना पड़ती है। वही दूसरी ओर इस समय भी मजदूर नही मिलने के कारण किसानों को अपनी फसले मंहगे दामों में कटवाने के लिये मजबूर होते हुये देखा जा रहा है। इस स्थिति में चलते किसानों द्वारा फसल तैयार करने में लगाई गई अपनी लागत भी खड़ी कर पाना मुश्किल हो रहा है।

बच्चों ने गिल्ली डंडे की जगह थामा बल्ला, पुराने खेल भूल रहे लोग

बारहाबड़ा। इस समय चल रही ग्रीष्म कालीन अवकाशों के चलते बच्चों को जिस प्रकार से खेल मैदानों में बल्ला लेकर खेलते हुए देखा जा रहा है उसके चलते शहरों से लेकर गांव तक क्रिकेटमय होते हुए दिखाई देने लगी है। वही गौर किया जावे तो हमारे देश के गांवों के पुराने व पारस्पारिक खेल जहां सस्ते और सुलभ हुआ करते थें। वही ऋतुओं पर आधारित यह खेल स्वास्थ्य और शिक्षाप्रद भी हुआ करते है। किन्तु आधुनिक युग मे इन पास्पारिक खेलों का स्थान महंगे खेलों ने ले लिया है। आवश्कता है सुलभ पारंपारिक खेलों की ओर लौटने की क्योकि पारंपारिक खेल अपेक्षाकृत व्यक्तित्व विकास का सशक्त माध्यम होते है,हमारी माटी से जुड़े ऐसे ही अनेको खेलों व प्रासंगिता और लाभ का विस्तृत विश्लेषण किया गया है। हमारी परम्पराओं से जुडे अनेक खेल गिल्ली डण्डा, गपोनी, कबड्डी, छिपा छिपी, अडी धप्प, आदि खेलों के लाभ और इनके जीवन से जुडाव को उजागर किया गया है। इन पांरपरिक खेलो को शरीर एवं मस्तिष्क विकास का सशक्त माध्यम बताते हुये बताया गया है कि पूर्व के समय मे यह खेल अधिकांशतः कम उम्र के बच्चों द्वारा खेला जाता था, जिससे की बच्चों को शरीरिक संतुलन बनाने का अभ्यास होता था। निर्णय क्षमता के विकास के साथ शरीरिक विकास के क्रम मे बढ़ोत्तरी होती थी। अनेक प्राचीन खेल ऋतुओं पर आधारित होते थें। वही देखा जावे तो अनेक खेल सदाबहार खेल भी हुआ करते थें, जिसे हर मौसम मे खेला जाता था। वही इन पांरपारिक खेलों की विशेषता यह थी कि इन खेलों की सामग्री सहजता से उपलब्ध हो जाती थी,अधिकांश खेल मौसम के अनुकूल रहते थें। इनकी सामग्रियां खरीदनी नही पड़ती थी। प्रकृति से जुडे यह खेल बच्चों को सहज से जुडकर शारीरिक एवं मानसिक विकास क्रम को आगे बढ़ाते थें जो अपनी विविधता के कारण इन खेलों का अपना आकर्षण था,नियम अत्यंत सरल थें खिलाड़ियों की संख्या का बंधन नही होता था,यही कारण है कि सभी आयु वर्ग के व्यक्ति एवं बच्चे इनसे लाभ ले सकते थें। आधुनिक दौड़ते भागते हुये इस युग मे परम्परागत खेलो को भारी नुकसान हुआ है। प्रतिस्पर्धा के इस दौर मे जहां बच्चें परम्परागत खेल सें दूर किताबों के बोझ से दबे दिखाई देते है, वही महंगें आधुनिक खेल आम व्यक्ति के बजाय चन्द लोगों तक सिमट कर रह गये है,कभी हमारें रीति रिवाजों मे और संस्कारों मे दिखाई देने वाले खेल आज हम भूलते जा रहे है। यही कारण है कि स्वास्थ्य और शिक्षा का विकास हमसें पीछे छूट गया है,आज आवश्यकता है।

खबर संक्षेप

आयुष्मान कार्ड बनाने वालों को लापरवाही पड़ सकती है भारी

उमरिया। जन-मन योजना के तहत विभिन्न घटको के पात्र हितग्राहियों को लाभ देने संबंधी प्रगति की कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन द्वारा समय सीमा की बैठक में समीक्षा की गई। उन्होंने आयुष्मान कार्ड निर्माण के प्रगति की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि जिन मैदानी अमले को आयुष्मान कार्ड बनाने का दायित्व दिया गया है तथा उन्हें आईडी दी गई है, वे अनिवार्य रूप से कम से कम पांच आयुष्मान कार्ड प्रति दिन बनाएं तथा विभागवार नियुक्त किए गए नोडल अधिकारी को दैनिक प्रगति से अवगत कराएं। इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नही की जाएगी, संबंधितों के विरूद्ध निलंबन की कार्यवाही की जाएगी । इसी तरह बैगा जन जाति के हितग्राहियों के जाति प्रमाण पत्र बनाने के निर्देश शिक्षा विभाग एवं राजस्व अधिकारियों को कलेक्टर व्दारा दिए गए ।

सीएम हेल्पलाइन की शिकायतें करें अटेण्डेंट

उमरिया। समय सीमा की साप्ताहिक बैठक में कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने सीएम हेल्पालाइन के प्रकरणों की विभागवार समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि सीएम हेल्पालाइन की कोई भी शिकायते अन अटेण्डेंट नही रहे अन्यथा संबंधित एल-1 अधिकारी तथा जिला प्रमुख अधिकारी के विरूध्द कार्यवाही होगी। उन्होने कहा कि अब विभागवार अन अटेंण्डेंट शिकायतों की समीक्षा की जाएगी तथा संबंधित अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया जाएगा। उत्तर संतोष जनक नही मिलने पर अनुशासनात्मक कार्यवाही प्रस्तावित की जाएगी। इसी तरह उन्होंने कहा कि समय सीमा के पत्रों का संबंधित अधिकारी समय सीमा में निराकरण सुनिश्चित कराएं। आगामी सप्ताह में सभी समय सीमा के पत्रों का निराकरण अनिवार्य रूप से कर लिया जाए ।

वंदेमातरम के गायन के साथ हुई शासकीय कार्य की शुरूआत

उमरिया। कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन की उपस्थिति में कलेक्टर परिसर में संगीतमय वंदे मातरम, मध्य प्रदेश गान एवं जन गण मन का गायन किया गया, तत्पश्चात शासकीय काम काज की शुरूआत की गई। इस अवसर पर अपर कलेक्टर शिवगोविंद सिंह मरकाम, डिप्टी कलेक्टर मीनाक्षी इंगले, अंबिकेश प्रताप सिंह, हरनीत कौर, तहसीलदार सतीश सोनी सहित अन्य जिला प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे ।

बस स्टैंड में की गई साफ-सफाई

उमरिया। आयुक्त बी.एस.जामोद एवं कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन द्वारा नगरीय क्षेत्रों मे स्वच्छता ही सेवा अभियान चलाने के दिए गए निर्देश के परिपालन में नगर परिषद नौरोजाबाद में साफ सफाई का कार्यक्रम का आयोजित किया गया । इस अवसर पर नौरोजाबाद के बस स्टैण्ड के पास कुएं परिसर की साफ सफाई की गई एवं आम नागरिकों से भी अपील की गई कि वे कचरे का निपटान सही स्थान पर करें । नगर को स्वच्छ बनाये रखने में प्रशासन का सहयोग प्रदान करें।

चोरों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया

शहडोल। पुलिस अधीक्षक द्वारा जिले में हुई चोरियो को ट्रेस करने एवं आरोपियों को पकडने के लिए समस्त थाना प्रभारियो को चोरी के प्रकरणो का अवलोकन कर मसरूका को ट्रेसिंग के लिए निर्देश दिए गए हैं। कुछ व्यक्तियो द्वारा कोयला चोरी करने की सूचना मिलने पर तत्काल पुलिस द्वारा सूचना की तस्दीक के लिए टीम रवाना किया गया। सनम चौधरी पिता विष्णु चौधरी निवासी ग्राम छांटा, अशोक कुमार सिंह पिता स्व. लखन सिंह निवासी नवाटोला, दीपचन्द्र चौधरी पिता सुरेश चौधरी उम्र 28 वर्ष, शंकर सिह गोंड़ पिता रामदास सिह गोंड़ दोनो निवासी छांटा नवाटोला को कोयला चोरी करते पाये गये।

मामला उजागर होने के बाद भी जिम्मेदारों ने साधी चुप्पी

तकनीकी अमले की मिलीभगत से टूटे पाईप से कराया गया पुलिया निर्माण

डिंडौरी। जनपद पंचायत बजाग अंतर्गत ग्राम पंचायत भुरसी में मनमाफिक स्थान पर पुलिया निर्माण कार्य किया जा रहा है वहां स्थाई तौर पर कोई मौसमी नाला नहीं है, वहीं इस कार्यस्थल में क्रैक पाईप डालकर पुलिया निर्माण का कार्य पूरा कर दिया गया। सवाल यह है कि इस तरह के भ्रष्टाचार में जनपद पंचायत बजाग का तकनीकी अमला कार्यस्थल पर पहुंचा ही नहीं। जब मीडिया के माध्यम से इस मामले को जनता ने उठाया तो जनपद पंचायत बजाग का तकनीकी अमला जागा और जब तक तकनीकी अमला कार्यस्थल पहुंचता भ्रष्टाचारियों ने भ्रष्टाचार को छुपाने के लिए टूटे हुए पाईप की रिपेयरिंग कर दिया। वहीं ग्राम पंचायत भुरसी के सचिव सरपंच द्वारा पुलिया निर्माण में भ्रष्टाचार करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी।

मामला बजाग जनपद पंचायत के ग्राम भुरसी के पोषक ग्राम बघरेली सानी का है, जहां पर सरपंच सचिव एवं तकनीकी अमले की मिली भगत से पुलिया निर्माण में क्रैक पाईप लगाकर पुल निर्माण कार्य करा दिया गया जिसमें साफ साफ लापरवाही नजर आती है जैसे ही मीडिया के माध्यम से खामियों की जानकारी विभागीय अमले तक पहुंची तो पंचायत कर्मियों ने आनन फानन में टूटे पाईप में मसाला लगाकर गलतियों को छुपाने की कोशिश की गई है। वहीं पाईप पुलिया को कवर करने के लिए कंक्रीट डालकर ढंकना होता पर तकनीकी अमले और सरपंच सचिव की लापरवाही के चलते मुरूम डालकर कंक्रीट की राशि हड़पने का प्रयास किया जा रहा है। इस तरह के मामले जब खबरों के माध्यम से प्रकाश में आते हैं तभी तकनीकी अमला जागता है। सर्व विदित हो कि ग्राम पंचायत में वार्ड पंच का कार्य भ्रष्टाचार की गतिविधियों को सुधार कराने एवं वार्ड की समस्याओं को दुरुस्त करने की है। इतना ही नहीं इस तरह के वार्ड पंच जगह जगह मेट की भूमिका निभाते नजर आ रहे हैं। जिससे की भ्रष्टाचार को बढ़ावा देकर नियम कायदे को दरकिनार रखते हुए निर्माण कार्य में खुल कर भ्रष्टाचार किया जा रहा है। जबकि शासन के द्वारा आम जनों के लिए लाखों रुपए खर्च कर पुलिया निर्माण कार्य कराया गया वहीं पंचायत के जिम्मेदारों ने मोटी रकम कमाने के ऐवज में लाखों रुपए के पुलिया निर्माण कार्य में जमकर भ्रष्टाचार किया है जिसका खामियाजा आने वाले दिनों में यहां के आम लोगों को उठाना पड़ सकता है। अब देखना यह होगा कि ऐसे भ्रष्टाचार सरपंच सचिव और तकनीकी अमले पर अधिकारियों द्वारा कार्यवाही की जाती है या फिर खानापूर्ति कर भ्रष्टाचारियों को अभय दान देते हैं।

इनका कहना है.....

पंचायत कर्मियों द्वारा पुलिया निर्माण कार्य में टूटी पुलिया डाली गई है,इसलिए टूटी पुलिया को हटाकर नई पुलिया लगाकर निर्माण कार्य किया जाना चाहिए ।
-महेश तेकाम, ग्रामीण

पुलिया को तोडकर फिर से बनाया जायेगा इसके लिये आदेश जारी हो गये है।
-आनंद उईके, उपयंत्री जनपद पंचायत बजाग

समनापुर में आयोजित संस्कार समर कैंप में शामिल हुए कलेक्टर

डिंडौरी। कलेक्टर विकास मिश्रा ने नवीन पंचायत भवन समनापुर में 11 मई से 11 जून 2024 तक आयोजितष्संस्कार समर कैंपष् में शामिल हुए। उन्होंने बताया कि कैंप में बच्चों को जीवन कौशल, शैक्षिक एवं सांस्कृतिक और विविध अनुभव हेतु सुरक्षित वातावरण में मनोरंजन के साथ विशिष्ट कौशल को निखारने का अवसर मिल रहा है। ष्संस्कार समर कैंपष् का समय प्रतिदिन सुबह 9 से 11.30 बजे तक रखा गया है। संस्कार समर कैंपष् में बच्चों के लिए विभिन्न विधाएं शामिल की जाती है। जिसमें डांस, मेंहदी, पेंटिंग, क्राॅफ्ट, कबाड़ से जुगाड, लेखन-हिंदी अंग्रेजी, स्पोकन इंग्लिश, योगा, एरोबिक, पर्सनालिटी डेवलपमेंट शामिल है। संस्कार समर कैम्प में कलेक्टर बच्चों से रूबरू हुए। उन्होंने अभी शेष आठ दिनों में नया सीखने और आगे किस तरह यही रूटीन बनाकर रखने हेतु मार्गदर्शन किया जाए, इस विषय में निर्देश दिए। कलेक्टर ने बच्चों को टाइम मैनेजमेंट, पर्यावरण संरक्षण, पौधारोपण आदि के संबंध में विस्तृत जानकारी दिए। इस दौरान उन्होंने संस्कार समर कैंप में बच्चों के लिए बेहतर कार्य करने वाले मेंटर स्वप्निल पूरी, रिदिमा रजक, बीईओ शशिभूषण बघेल, सुनील शुक्ला को सम्मानित भी किया।

जिला प्रशासन के प्रयासों से लगातार रोके जा रहे बाल विवाह

डिंडौरी। आज जनपद पंचायत बजाग अंतर्गत ग्राम लखनपुर माल में बाल विवाह की सूचना प्राप्त हुई, जिस पर कार्यवाही करते हुए महिला बाल विकास विभाग एवं पंचायत विभाग द्वारा ग्राम में हो रहे बाल विवाह को रोका गया। जानकारी के अनुसार वर की आयु आदर्श आयु से कम पायी गयी, संयुक्त टीम ने परिवार को समझाइश देकर समझाया कि विवाह के लिए लड़की की आदर्श आयु 18 वर्ष और लड़के की आदर्श आयु 21 वर्ष है। समझाइश के बाद परिवार के सदस्यों ने सहमति से निश्चय किया कि आदर्श आयु में ही विवाह संपन्न करेंगे। जिला प्रशासन लगातार बाल विवाह रोकने के लिए सार्थक प्रयास कर रहा है। बाल विवाह होने की सूचना प्राप्त होने पर महिला बाल विकास विभाग, पुलिस विभाग, जनपद पंचायत और राजस्व विभाग के संयुक्त अमले ने बाल विवाह के बारे में वर वधु के माता पिता को समझाया, समझाइश के साथ ही ये भी बताया गया कि बाल विवाह करना और करवाना एक कानूनी अपराध है, बाल विवाह करने वालों के समस्त शासकीय लाभ पर प्रतिबन्ध लग जाता है, समझाइश के बाद दोनों पक्ष ने सहमति के साथ विवाह योग्य आयु होने पर ही विवाह करने का लिखित वचन दिया, जिला प्रशासन की तत्परता के फलस्वरूप बाल विवाह रोकने में सफलता प्राप्त हुई।

कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में संपन्न हुई समय-सीमा की बैठक

डिंडौरी। कलेक्टर विकास मिश्रा ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में समय-सीमा की बैठक ली। उन्होंने उक्त बैठक में मतगणना की तैयारी और विभागीय कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में अपर कलेक्टर सरोधन सिंह, सीईओ जिला पंचायत सुश्री विमलेश सिंह, अपर कलेक्टर सुनील शुक्ला, संयुक्त कलेक्टर सुश्री भारती मेरावी, एसडीएम डिंडौरी रामबाबू देवांगन, एसडीएम बजाग आर.पी. तिवारी, डिप्टी कलेक्टर वैद्यनाथ वास्निक सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

कलेक्टर ने समय-सीमा की बैठक में लोकसभा निर्वाचन 2024 अंतर्गत 04 जून 2024 को मतगणना दिवस की सम्पूर्ण तैयारियों के बारे में जानकारी ली। उन्होंने मतगणना स्थल में पेयजल, बिजली, काउंटिंग टेबल, मीडिया कक्ष, सुरक्षा, स्वास्थ्य, शौचालय आदि व्यवस्थाओं की जानकारी लेते हुए तत्संबंध में आवश्यक निर्देश दिए हैं। साथ ही कहा कि जिन अधिकारी-कर्मचारियों की मतगणना में ड्यूटी लगी है, वह मतगणना स्थल पर अन्य नियत स्थान पर 04 जून को प्रातः 06 बजे उपस्थित हो जाएं। जिससे मतगणना का कार्य शांतिपूर्वक समय पर सम्पन्न किया जा सके।

कलेक्टर ने जिले की स्वास्थ्य सुविधाओं की समीक्षा की। जिसमें स्वास्थ्य केन्द्रों में दवाईयों की उपलब्धता, मेडिकल स्टॉफ आदि की जानकारी ली गई। कलेक्टर श्री मिश्रा ने मौसमी बीमारियों के लिए दवाईयां और मेडिकल स्टॉफ को तैयार रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अधिक गर्मी पड़ने पर लोगों का नियमित स्वास्थ्य परीक्षण करने, बीपी. सुगर आदि का चेकअप करने में देरी ना करें। मरीजों को जल्द से जल्द मेडिकल सुविधा प्रदान करना सुनिश्चित करें। इसके बाद जनपदवार ई-केवाईसी के कार्य जनपदों में लंबित निर्माण कार्यों की समीक्षा की गई। समस्त सीईओ जनपद पंचायत को ई-केवाईसी के लंबित कार्यों को शीघ्र पूरा करने कहा गया। इसी प्रकार से आहार अनुदान, छात्रवृत्ति, अतिथि शिक्षकों की गणना करने के संबंध में निर्देश दिए गए।

कलेक्टर ने राजस्व विभाग के लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए सीमांकन, बंटवारा, वसूली, भू-अर्जन के कार्यों को समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए हैं। इसके बाद महिला एवं बाल विकास विभाग के अंतर्गत निर्माणाधीन आंगनबाड़ी केन्द्र के भवनों की जानकारी ली। बताया गया कि निर्माणाधीन आंगनबाड़ी भवन के कार्य दो माह में पूरे कर लिये जाएंगे। पंचायतों में शौचालयों की स्थिति और राशि का भुगतान, कृषि विभाग अंतर्गत स्वाइल हैल्थ कार्ड, किसानों का प्रशिक्षण और खरीफ की तैयारी के बारे में पूछा। कलेक्टर ने आयोजित समय-सीमा की बैठक में सीएम हेल्पलाईन के प्रकरणों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को सीएम हेल्पलाईन की शिकायतों का प्राथमिकता से समय पर निराकरण करने के निर्देश दिए हैं। इसके बाद बारिश पूर्व की जाने वाले कार्य, पेयजल आपूर्ति, विद्युत आपूर्ति, मीट शॉप, अवैध माइनिंग, सीएम राईज स्कूलों की स्थिति, टीकाकरण, स्वरोजगार मेला, पौधारोपण की तैयारी, मछली पालन पर विस्तार से चर्चा की और संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। कलेक्टर श्री मिश्रा ने सभी अधिकारियों को मतगणना के बाद अपने मूल कार्यों को प्राथमिकता से करने के निर्देश दिए हैं। सामाजिक न्याय विभाग ने बैठक में उपस्थित समस्त अधिकारियों से कलेक्टर विकास मिश्रा के द्वारा नशा मुक्ति के लिए शपथ दिलवाई जिसमें सभी ने कभी नशा ना करने की शपथ ली और नशा मुक्ति दीवार पर हस्ताक्षर किये।

स्वस्थ शरीर के लिए खेलकूद की गतिविधियां जरूरी: जितेंद्र कुमार सवेरिया

राजनगर। मध्यप्रदेश शासन खेल एवं युवा कल्याण विभाग के दिशा निर्देश में कलेक्टर आशीष वशिष्ठ पुलिस अधीक्षक जितेंद्र सिंह पवार जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तन्मय एवं विशिष्ट शर्मा एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक इसरार मंसूरी सभी वशिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में नगर परिषद बनगवां में ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण का आयोजन हुआ जिसमें प्रतिदिन दो पारियों में फुटबॉल कबड्डी वॉलीबॉल एथलीट्स गेम का आयोजन हुआ जिसमें बच्चे और बच्चियों ने भाग लिया कलेक्टर आशीष वशिष्ठ एवं जिला पंचायत सीईओ के दिशा निर्देश अनुसार समर कैंप में विविध खेलों के आयोजन हेतु खेल सीखने के लिए तैनाती की गई जिसमें आसपास से छोटे-बड़े बच्चों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। 140 खिलाड़ियों ने सुबह शाम कुशल प्रशिक्षको द्वारा खेल की बारीकियों को सिखाया। इसका समापन 1 जून को न्यू राजनगर वालीबाल के खेल मैदान में किया गया जिसमें मुख्य अतिथि जितेंद्र सिंह सवेरिया राज नगर आरो सीएमओ बनगवा (राजनगर) राजेंद्र कुशवाहा थाना रामनगर एस आई मरावी जिला वॉलीबॉल की सह सचिव सुमिता शर्मा फुटबॉल संघ के सचिव नंदलाल यादव रहे अतिथियों के द्वारा शिविर में भाग लिए। खिलाड़ियों को प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में जितेंद्र कुमार राजनगर सबेरिया ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि स्वस्थ शरीर के लिए खेल आवश्यक है। उन्होंने कहा कि युवा खिलाड़ी खेलकूद के प्रति स्वयं जागरूक रहे और दूसरों को भी जागरूक करें विभिन्न कार्यक्रम को सफल बनाने में हरिशंकर यादव से सचिव जिला वालीबाल संघ अनूपपुर जितेंद्र पनिका स्टेट रेफरी, अतुल यादव स्टेट रेफरी रामजी व्यायाम शिक्षक संजय सुलेमान मोहम्मद अली योगेंद्र सिंह किशोर मिश्रा शिवमणी शुक्ला अनुदान समाज कल्याण समिति के अध्यक्ष देवाशीष सिन्हा उपस्थित रहे कार्यक्रम का सफल आयोजन रामचंद्र यादव जिला खेल प्रशिक्षक खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा किया गया रामचंद्र यादव द्वारा सभी अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया उनके द्वारा अतिथियों को स्मृति चिन्ह दिया गया।

डिंडोरी से जबलपुर की ओर आने जाने वाले समस्त वाहन स्वामियों के लिए विशेष सूचना

डिंडौरी। लोकसभा चुनाव 2024 की मतगणना नियत 'दिनांक 4 जून 2024 को चंद्र विजय कॉलेज (स्ट्रांग रूम)' मैं की जाना नियत है जिसमे काफी संख्या क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि एवं ड्यूटी में लगे अधिकारी कर्मचारी व पत्रकार उपस्थित रहेंगे आम जन समाज की सुविधाओं को दृष्टिगत रखते हुए 'दिनांक 4 जून 2024 को प्रातः 5रू00 से मतगणना समाप्ति तक' डिंडोरी से जबलपुर आने जाने वाले समस्त वाहनों के लिए चंद्र विजय कॉलेज वाले मार्ग से वाहनों का प्रवेश पर प्रतिबंध रहेगा

डिंडोरी से जबलपुर आने जाने वाले वाहन मंडला स्टैंड होते हुए मछली मार्केट से होते हुए बायपास रोड से बड़ा सुबखार वाले मार्ग का उपयोग करेंगे अथवा जोगी टिकरिया से परिक्रमा वासी वाले मार्ग से मुड़की होते हुए अवंती बाई चैक वाले मार्ग का उपयोग करेंगे। जबलपुर से मंडला एवं अमरकंटक की ओर आने जाने वाले वाहन बड़ा सुबखार वाले मार्ग से होते हुए बायपास रोड मछली मार्केट से होते हुए बायपास वाले रोड का उपयोग करेंगे अथवा जोगी टिकरिया से मुड़की होते हुए अवंती बाई चैक वाले मार्ग का उपयोग करेंगे। मुड़की रोड से आने जाने वाले वाहनों के लिए अवंती बाई चैक होते हुए राय सिटी वाले मार्ग का उपयोग करेंगे। अनूपपुर जाने वाले वाहन जोगी टिकरिया के पास से नर्मदा परिक्रमा वासी वाला मार्ग का उपयोग करेंगे अथवा जोगी टिकरिया से परिक्रमा वासी वाले मार्ग से मुड़की वाले मार्ग से।

-पार्किंग व्यवस्था

डिंडोरी की ओर से मतगणना स्थल पर आने वाले समस्त शासकीय कर्मचारी एवं प्रत्याशियों उनके प्रतिनिधि एवं पत्रकारो के वाहनों की पार्किंग व्यवस्था एनव्हीडी ग्राउंड (मैकलसुता कॉलेज के सामने) रहेगी सभी अपना वाहन एनव्हीडी ग्राउंड में पार्क करके पैदल मतगणना स्थल पर पहुंचेंगे।जबलपुर रोड से आने वाले समस्त बल एवं प्रत्याशी प्रतिनिधि और पत्रकार लोगों के लिए पार्किंग व्यवस्था केंद्रीय विद्यालय ग्राउंड में रहेगी केंद्रीय विद्यालय ग्राउंड में वाहन पार्क करके मतगणना स्थल पर पैदल पहुंचेंगे। मतगणना स्थल पर केवल पास धारीयो को ही प्रवेश दिया जाएगा।

मतगणना स्थल में बेहतर व्यवस्थाएं करने के दिए निर्देश

कमिश्नर बी.एस.जामोद, एडीजीपी डी.सी.सागर एवं मतगणना प्रेक्षक महफूज आलम ने जिला मुख्यालय के शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज उमरिया में बनाए गए लोकसभा निर्वाचन 2024 के अंतर्गत 4 जून होने वाले मतगणना स्थल का निरीक्षण किया।

उमरिया।

निरीक्षण के दौरान कमिश्नर ने मतगणना कर्मी एवं मीडिया कर्मियों के मतगणना कक्ष में प्रवेश करने की जानकारी ली।कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी धर्णेन्द्र कुमार जैन ने कमिश्नर को मतगणना स्थल की संपूर्ण व्यवस्था एवं प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी। कमिश्नर ने कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी धरणेन्द्र कुमार जैन को निर्देश दिए की मतगणना स्थल में किसी भी प्रकार की कोई अवस्था ना हो यह सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देश दिए की मतगणना कार्य में लगे मतगणना कर्मचारी एवं मीडिया कर्मियों को किसी भी प्रकार की कोई परेशानी का सामना न करना पड़े इसकी पर्याप्त व्यवस्था करें। जिस पर कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी धरणेन्द्र कुमार जैन ने बताया कि गर्मी को दृष्टिगत रखते हुए पेयजल व्यवस्था, पंखे कूलर की व्यवस्था के साथ-साथ अन्य मूलभूत व्यवस्थाएं की गई है। मतगणना स्थल के निरीक्षण के दौरान कमिश्नर ने जिले के विधानसभा क्षेत्र 89 बांधवगढ़ एवं विधानसभा क्षेत्र 90 मानपुर के लिए बनाए गए मतगणना कक्ष का भी निरीक्षण किया, साथ ही कमिश्नर ने मतगणना टेबल, मतगणना कार्य में संलग्न अमले की संख्या, सुरक्षा व्यवस्था, लाइव स्ट्रीमिंग, साउंड सिस्टम, कम्प्यूटर सिस्टम, संख्या आदि के बारे में जानकारी ली। साथ ही मतगणना स्थल परिसर में निर्वाचन अभ्यर्थियों के प्रतिनिधियों के लिए स्ट्रांग रूम का सीसीटीवी लाईव डिस्प्ले तथा कक्ष से ही स्ट्रांग रूम की मॉनीटरिंग संबंधी व्यवस्था को भी देखा। कमिश्नर उमरिया जिले के मतगणना स्थल पर बनाए गए मीडिया कक्ष का भी अवलोकन किया तथा आवश्यक जानकारी प्राप्त की।

मतगणना की सभी तैयारियां पूर्ण

लोक सभा निर्वाचन 2024 के लिए शहडोल संसदीय क्षेत्र 12 अजजा अंतर्गत आने वाली जिले की दो विधानसभा क्षेत्रों क्रमशः 89 बांधवगढ एवं 90 मानपुर के लिए मतगणना 4 जून को शासकीय पालीटेक्निक उमरिया में प्रातः 8 बजे से प्रारंभ होगी । मतगणना की सभी तैयारियां कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी धरणेन्द्र कुमार जैन के मार्गदर्शन में पूरी कर ली गई है। मतगणना दलों को कन्या शिक्षा परिसर में भारत निर्वाचन आयोग व्दारा नियुक्त मतगणना प्रेक्षक महफूज आलम की उपस्थिति में अंतिम प्रशिक्षण दिया गया ।

उन्होंने कहा कि मतगणना दल गणना के दौरान जो गोपनीयता बरतनी है, उसका पालन करें एवं गणना हाल में अनुशासन बनायें रखें । भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार गणना का कार्य संपन्न कराएं । मतगणना संबंधी समस्त शंकाओ का निराकरण अनिवार्य रूप से कर लें । प्रशिक्षण में मतगणना पर्यवेक्षक , मतगणना सहायक तथा माइक्रो आब्जर्वर उपस्थित रहे। मास्टर ट्रेनर सुशील मिश्रा, संजय पाण्डेय तथा उनके सहयोगियो द्वारा प्रशिक्षण संपन्न कराया गया ।

बच्चियों के दफन शव को पुलिस ने निकलवा कर करवाया पीएम

उमरिया। कोतवाली थाना अंतर्गत ग्राम अमडी के ढुल्हरी गांव में तालाब में डूबने से मरने वाली दोनों बच्चियों के शवों को रविवार को पुलिस ने जांच के लिए कब्र से बाहर निकाल लिया। दोनों की बच्चियों के शवों को बिना पीएम कराए चुपचाप जमीन में दफन कर दिया गया था, इसके बाद अब पुलिस सक्रिय हो गई और दोनों बच्चियों के शव को पीएम के लिए कब्र से बाहर निकाल लिया गया। पुलिस ने मामले की गंभीरता से लेते हुए पीड़ित परिजनों एवं जिम्मेदार पंचायत कर्मियों से पूछताछ की, जिसके बाद दोनों बच्चियों के दफनाए शवों को ज़मीन से बाहर निकलवाए गए। हालांकि रविवार को ही दोनों शवों का पीएम कराने के बाद एक बार फिर उनका अंतिम संस्कार कर दिया गया। यह घटना जिला मुख्यालय से सटे कोतवाली थाना अंतर्गत ग्राम अमड़ी के ढुलहरी टोला की है। बताया गया है कि इस गांव में दो बैगा आदिवासी मासूम बेटियों की तालाब में डूबने से मौत हो गई थी। न तो गांव के लोगों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी और न ही परिवार के लोगों ने इस बारे में पुलिस को कुछ बताया। मरने वाली दोनों बच्चियां स्थानीय बाबू बैगा और रवि बैगा की बेटियां बताई गई है। तालाब में डूबने से सात से आठ साल की दो मासूम बच्चियों की मौत हो गई और इसके बाद गांव के लोगों ने मिलकर दोनों बच्चियों का आनन-फानन में बिना पीएम ही अंतिम संस्कार करवा दिया। इतना ही नहीं इस मामले की पुलिस को भी कोई जानकारी नहीं दी गई। घटना को लेकर सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि दोनों ही बच्चियां बैगा परिवार की थी और बिना पीएम के अंतिम संस्कार हो जाने की वजह से परिवार के लोगों

खुलेआम हो रही कोयले की चोरी

कालरी प्रबंधन से रोक लगाने की मांग

कोतमा। एसईसीएल जम्मुना कोतमा एरिया के अंतर्गत गोविंदा साइडिंग में इन दिनो कोयले की चोरी खुले आम हो रही है लेकिन इसके बाद भी कोयला चोरी पर किसी तरह की रोक नहीं लगाई जा रही है। पूर्व में यहां सुरक्षा विभाग एवं रेलवे पुलिस की सक्रियता के बाद कोयला चोरी की घटनाओं में काफी हद तक अंकुश लग गया था। जो वर्तमान में फिर से कोयला चोरी की बाढ़ सी आ गई है। रात में बढ़ती चोरी बताया जाता है की रात्रि होते ही साइडिंग में कोयला चोरी की घटनाएं बढ़ जाती है जो सुबह तक चलती है। कोयला चोरों के गिरोह द्वारा चोरी किए कोयले को एक स्थान पर एकत्र कर लिया जाता है इसके बाद बोरियों में भरने के बाद मोटर साइकिलों से अवैध ईट भट्ठे सहित अन्य ठिकानों पर पहुंचाया जाता है। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया है कि कोयला चोरी की घटनाओं में सुरक्षा में लगे लोगों की ही मिलीभगत रहती है। जिससे आसानी से यहां कोयला पार हो रहा है। कोयला चोरी होने से सबसे बड़ा नुकसान कालरी प्रबंधन को उठाना पड़ता है। चोरी हुए कोयले को ईंट भट्टों में डेढ़ सौ रुपए से 200 रुपए तक प्रति बोरी बेचा जाता है। लंबे समय से कोयला चोरी होने से गणेश नगर एवं गोविंदा में असामाजिक तत्वों का भी जमावड़ा होने लगा है। जिस कारण महिलाएं व किशोरियां अपने आप को असुरक्षित महसूस करती हैं। कोयला चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने को लेकर लोगों ने स्थानीय पुलिस एवं जिम्मेदार कालरी प्रबंधन से रोक लगाने की मांग की है।

लोक सभा निर्वाचन की मतगणना आज

प्रेक्षकों एवं कलेक्टर ने किया मतगणना की तैयारियों का निरीक्षण

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त किये गये मतगणना प्रेक्षकों नागेन्द्र पासवान और सूरज कुमार रूकवाल एवं कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती शीतला पटले ने कृषि उपज मंडी नरसिंहपुर में मतगणना स्थल पर की जा रही तैयारियों का निरीक्षण किया।

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर ।

यहां उन्होंने विधानसभावार मतगणना कक्षों में पहुंचकर डाक मत पत्रों व इटीपीबीएस कक्ष का सूक्ष्मता से निरीक्षण किया। यहां विधानसभावार टेबल की मार्किंग, अभिकर्ताओ की बैठक व्यवस्था, टेबल के राउंड तथा गणना में लगने वाली आवश्यक सामग्रियों का भी अवलोकन किया।

विद्युत आपूर्ति ना हो बाधित

कृषि उपज मंडी नरसिंहपुर के मतगणना स्थल का निरीक्षण कर चाक-चैबंद सुरक्षा के बीच की जाने वाली मतगणना के लिए किए गए आवश्यक सुरक्षा प्रबंधो एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने निर्देशित किया कि मतगणना के दिन विद्युत की सतत आपूर्ति और मतगणना स्थल पर सभी व्यवस्था सुचारू तरीके से उपलब्ध रहें। गर्मी को देखते हुए पेयजल, पंखे- कूलर आदि की पर्याप्त व्यवस्था हो। निरीक्षण के दौरान सीईओ जिला पंचायत दलीप कुमार, उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती अंजली शाह, नोडल अधिकारी और अन्य अधिकारी मौजूद थे। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मंडला संसदीय क्षेत्र की गोटेगांव विधानसभा एवं होशंगाबाद संसदीय क्षेत्र की गाडरवारा विधानसभा के लिए मतगणना प्रेक्षक नागेन्द्र पासवान एवं होशंगाबाद संसदीय क्षेत्र की नरसिंहपुर एवं तेंदूखेड़ा विधानसभा के लिए मतगणना प्रेक्षक सूरज प्रकाश रूकवाल को नियुक्त किया गया है।

14 राउंड मे होगी मतगणना

उल्लेखनीय है कि लोकसभा निर्वाचन- 2024 के तहत संसदीय क्षेत्र मंडला के अंतर्गत आने वाली जिले की एक विधानसभा क्षेत्र 118- गोटेगांव और संसदीय क्षेत्र होशंगाबाद के अंतर्गत आने वाली जिले की तीन विधानसभा क्षेत्र 119- नरसिंहपुर, 120- तेंदूखेड़ा व 121- गाडरवारा के लिए मतगणना 4 जून को कृषि उपज मंडी नरसिंहपुर में सम्पन्न होगी। संसदीय क्षेत्र 17 होशंगाबाद एवं संसदीय क्षेत्र 14 मण्डला के लिए होने वाली मतगणना कुल 14- 14 राउंड में संपन्न होगी। मतगणना स्थल कृषि उपज मंडी नरसिंहपुर में विधानसभा क्षेत्र 118- गोटेगांव शेड क्रमांक एक बाया भाग, विधानसभा क्षेत्र 119- नरसिंहपुर शेड क्रमांक 2 दाया भाग, विधानसभा क्षेत्र 120- तेंदूखेड़ा शेड क्रमांक 2 बाया भाग, विधानसभा क्षेत्र 121- गाडरवारा शेड क्रमांक 1 दाया भाग पर मतगणना स्थल बनाये गये हैं।

इलेक्ट्रॉनिक सामग्री, रहेगी प्रतिबंधित

लोकसभा निर्वाचन 2024 के तहत मतदान संपन्न होने के पश्चात मतगणना मंगलवार 4 जून को कृषि उपज मंडी नरसिंहपुर में प्रातः 8 बजे से प्रारंभ की जायेगी। जिला निर्वाचन कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार 4 जून को को प्रातः 6 बजे स्ट्रांग रूम खोला जायेगा। मतगणना अभिकर्ता को प्रातः 7 बजे के पूर्व अपना निर्धारित स्थान पर बैठना होगा तथा प्रातः 8 बजे से मतगणना प्रारंभ की जायेगी। पहले पोस्टल बैलेट की गिनती प्रारंभ होगी।

मीडिया कर्मी मीडिया सेंटर तक ले जा सकेंगे मोबाइल

मतगणना हॉल में जाने के पूर्व मीडिया सेंटर में ही स्थापित मोबाईल जमा काउंटर में मोबाईल जमा कराना अनिवार्य है। मतगणना कक्ष में कवरेज हेतु नियमित अंतराल मे छोटे- छोटे समूहों में मीडिया कर्मियों को मीडिया कक्ष प्रभारी के साथ भ्रमण कराया जायेगा। कवरेज के समय ईव्हीएम में प्रदर्शित मत एवं कागजी मतपत्र में किये गये मतदान की छायांकन एवं रिकार्डिंग प्रतिबंधित रहेगी। कवरेज हेतु मोबाईल फोन के प्रयोग की अनुमति नहीं होगी। हैण्ड कैमरा ही अनुमत्य होगा। मतगणना कक्ष में ट्रायपोड या स्टैंड लेकर जाने की अनुमति नहीं होगी।

फेसबुक पेज उपलब्ध होगी जानकारी

लोकसभा निर्वाचन- 2024 के अंतर्गत जिले की मतगणना के परिणामों की राउंडवार जानकारी कलेक्टर नरसिंहपुर के फेसबुक पेज और कलेक्टर नरसिंहपुर के ट्वीटर (एक्स) अकाउंट पर उपलब्ध होगी। इसके साथ ही जनसम्पर्क नरसिंहपुर के फेसबुक पेज और जनसम्पर्क कार्यालय का ट्वीटर (एक्स) अकाउंट पर देखी जा सकती है।

पुलिस की रहेगी चाक चैबंद सुरक्षा व्यवस्था

मतगणना स्थल पर पुलिस की चाक चैबंद सुरक्षा व्यवस्था रहेगी जो कि 3 लेयर में विभाजित की गयी है, प्रथम लेयर में आईटीबीपी के कर्मचारी तैनात रहेगे शेष दो लेयर में जिला पुलिस बल एवं एसएएफ के कर्मचारी तैनात रहेगें। संपूर्ण सुरक्षा व्यवस्था पुलिस अधीक्षक अमित कुमार के कुशल नेतृत्व में लगायी गयी है जिसमें अति. पुलिस अधीक्षक, नागेन्द्र पटेरिया के मार्गदर्शन में 5 उप पुलिस अधीक्षक, 13 निरीक्षक सहित लगभग 300 पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी तैनात रहेगें जो कि मतगणना स्थल के बाहर चारों ओर एवं मतगण्ना स्थल के अंदर रहेगें। उक्त सभी डियूटी में तैनात अधिकारी एवं कर्मचारियों आज दिनांक 03.06.2023 को मॉक ड्रिल करायी गयी एवं पुलिस अधीक्षक अमित कुमार द्वारा मतगणना डियूटी में लगे अधिकारी एवं कर्मचारियों सख्त निर्देश दिये गये कि मतगणना स्थल पर अधिकृत व्यक्ति निर्धारित पहचान पत्र के साथ मतगणना स्थल एवं परिसर में पैदल प्रवेश करेंगा साथ ही यह थी चैक किया जावे कि मतगणना स्थल में प्रवेश के दौरान कोई व्यक्ति मोबाईल, केल्कुलेटर, माचिस, चाकू, नेलकटर, सिगरेट, बिडी नशीले पदार्थ एवं अन्य अनुचित सामग्री लेकर तो प्रवेश नही कर रहा है।

खबर संक्षेप

10 परीक्षा केन्द्रों में आयोजित कराई गई परीक्षा

नरसिंहपुर । सोमवार को कक्षा 5 एवं 8 की पुनः परीक्षा प्रारंभ हुई जिसमें जिले के 10 परीक्षा केन्द्रों पर विधिवत परीक्षा संपन्न कराई गई । कक्षा 5 एवं 8 के हिंदी माध्यम में हिंदी एवं अंग्रेजी माध्यम में अंग्रेजी का प्रश्नपत्र आयोजित था उक्त परीक्षा मे कुल 343 विद्यार्थियों में से 194 बच्चे उपस्थित तथा 149 बच्चे अनुपस्थित रहे। जिला परियोजना समन्वयक डॉ आर पी चतुर्वेदी द्वारा एम एल बी परीक्षा केंद्र का अवलोकन किया गया। परीक्षा विधिवत सम्पन्न कराई गई ।

गोवंश के इलाज के लिए मुस्लिम बंधुओं ने विशेष भूमिका निभाई

करेली । सोमवार- रविवार की रात्रि को लगभग 12 बजे करेली के रिलायंस पेट्रोल पंप के सामने निराश्रित ,बेसहारा गौ वंश को अज्ञात चार पहिया वाहन के द्वारा जमकर टक्कर मारने के कारण कमर में गंभीर रूप से चोट लगने की जानकारी मिलते ही खालिद खान ,दीपक नामदेव, अनुज सोनी , रहीश खान , रोबिन, कृष्णा लोधी, ब्रजेश प्रिंस, बिट्टू खान ,ने देखा की गौ वंश जख्मी हालत में तड़फ रहा है इसका तुरंत इलाज होना चाहिए तो इन गोवंश प्रेमियों ने भारतीय जीव जंतु कल्याण बोर्ड से नियुक्त मानद पशु कल्याण प्रतिनिधि , जीसी सी आई के प्रदेश प्रेस संयोजक , पी एफ ए के भागीरथ तिवारी को मोबाईल से जानकारी दी कि इसका इलाज रात्रि में ही होना चाहिए। श्री तिवारी ने तुरंत इसके इलाज के लिए एव्हीएओ आर पचोरी को इनके निवास स्थान से मोटर साइकल से बिठाकर इसका इलाज इंकेशन लगाकर ,दवाई लगाकर आर पचैरी द्वारा इलाज करवाया गया । इसी समय आमगांव बड़ा से आपने निवास स्थान जाने वाले डाक्टर विनय ठाकुर ने भी इसके इलाज के लिए विशेष प्रयास मुस्लिम बंधुओ के साथ किया ।

रास्ते को अतिक्रमण मुक्त करा चौड़ीकरण की मांग

नरसिंहपुर । बीते दिवस कामथ वार्ड निवासियों द्वारा कलेक्टर के नाम शिकायती आवदन देकर रास्ते को अतिक्रमण मुक्त कराकर चैड़ा करने की मांग की गई है । आवेदन में बताया गया है कि अष्टांग चिकित्सालय से यादव कालोनी रोड तक व्यस्त मार्ग है एवं लोगो को अधिक आवागमन होता है जिसमें अतिक्रमणकारियों द्वारा अतिक्रमण किया हुआ है। इस कारण अतिक्रमण की वजह से आवागमन करना मुश्किल हो रहा है। रोड के दोनो तरफ शासकीय जमीन पडी हुई है जिस पर लोगों द्वारा अतिक्रमण कर लिया गया है । निवासियों द्वारा मांग करते हुये आवेदन मे कहा है कि शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराकर रास्ते को चैड़ा किया जावे जिससे लोगो को आवागमन मे सुविधा मिल सके । ज्ञात हो कि उक्त मार्ग नगर की विभिन्न कालोनी तथा ग्रामो को जाड़ने वाला मार्ग है जिसमे लोगो द्वारा अतिक्रमण कर रास्ते को संकीर्ण कर दिया गया है । प्रशासन से लोगो की अपेक्षा है शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराकर रास्ते को चैड़ा किया जावे जिससे लोगो को समस्या से निजात मिल सके ।

अनिल व्यौहार को डीईओ का प्रभार

नरंसिहपुर । सोमवार को कलेक्टर द्वारा जारी किये गये आदेश मे जिला शिक्षा अधिकारी एच पी कुर्मी की सेवानिवृत्ति उपरांत जिला शिक्षा अधिकारी को प्रभार अनिल व्यौहार को सौंपा गया। जारी आदेश के अनुसार श्री व्यौहार अपने मूल कर्तव्य के साथ - साथ उक्त जिम्मेदारियों का भी आगामी आदेश तक करेंगे।

कायस्थ महिला मंडल द्वारा सुहागलों का कार्यक्रम आयोजित

नरसिंहपुर । विगत दिवस कायस्थ महिला मंडल द्वारा सुहालों का कार्यक्रम आयोजित किया गया । कार्यक्रम के उपरांत समस्त कायस्थ बहनों ने भोजन प्रसादी ग्रहण की उसके बाद अपने-अपने विचार रखे एवं भविष्य में होने वाले कार्यक्रमों की एक रणनीति तैयार की किया समाज की सचिव श्रीमती स्मृति श्रीवास्तव ने कहा कि आने वाले समय में हम लोग हरियाली तीज तुलसी विवाह और इसी प्रकार के सामाजिक कार्यक्रम करते रहेंगे साथ ही समाज हित हेतु आर्थिक रूप से कमजोर श्रीवास्तव परिवारों की मदद हेतु आगे आना है और मंदिर के विकास हेतु भी संकल्पित होना है स गाय समाज की अध्यक्ष श्रीमती अनीता खरे ने भी कहा कि हम सभी बहनें मिलकर समाज हित हेतु कार्य करेंगे और तीज त्योहारों को भी बड़े उत्साह के साथ मनाएंगे इस कार्यक्रम में कायस्थ समाज की सभी बहने मंजू श्रीवास्तव अनीता श्रीवास्तव स्वाति निगम दीपा निगम वंदना श्रीवास्तव रचना वर्मा रानू श्रीवास्तव गीता खरे रंजीत श्रीवास्तव निशु श्रीवास्तव वंदना श्रीवास्तव कदंबिनी श्रीवास्तव विमल श्रीवास्तव रिद्धि व्यवहार सुनीता खरे अर्चना खरे सारिका श्रीवास्तव श्रद्धा सक्सेना अल्पना श्रीवास्तव अनामिका श्रीवास्तव सरोज सक्सेना रेखा वर्मा आशा श्रीवास्तव वर्षा श्रीवास्तव पूजा श्रीवास्तव सीमा खरे पूजा श्रीवास्तव मंजू श्रीवास्तव सुचित्रा श्रीवास्तव अलका वर्मा सभी बहनों की उपस्थिति रही सभी ने बढ़-चढ़कर कार्यक्रम में हिस्सा लिया और सहभागिता दी अंत में बहन मंजू श्रीवास्तव द्वारा आभार प्रदर्शन किया गया और कार्यक्रम समापन की घोषणा की गई ।

एक सप्ताह में शराब पीने वाले 70 व्यक्तियों पर कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर ।

जिले में चलाये गये नशा मुक्ति अभियान के तहत एक सप्ताह में सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने वाले 70 व्यक्तियों एवं नशे का कारोबार करने वाले 56 व्यक्तियों से 212 लीटर कच्ची एवं 269 पाव देशी शराब पकड़ी गई। जिले को नशा मुक्ति, जनचेतना अभियान के तहत समाज को नशा मुक्त करने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक अमित कुमार के नेतृत्व में नशा मुक्ति जनचेतना अभियान चलाया गया है। अभियान के तहत जिले में नशा मुक्ति, जन चेतना के तहत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जावेगें एवं नशे के कारोबारियों के विरूद्ध ताबडतोड कार्यवाही की जावेगी। नशा मुक्ति जनचेतना अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक अमित कुमार जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में लगातार औचक भ्रमण किया जा रहा है एवं सार्वजनिक क्षेत्रों को चिन्हित कर उन क्षेत्रों के नशे का सेवन करने वालों के तहत कार्यवाही हेतु निर्देश दिये गये है। इसी क्रम में विगत एक सप्ताह में थाना कोतवाली अंतर्गत 8, थाना स्टेशनगंज अंतर्गत 13, थाना गोटेगांव अंतर्गत 27, थाना गाडरवारा अंतर्गत 8 थाना करेली अंतर्गत 12, थाना सांईखेडा अंतर्गत 1 एवं थाना चीचली अंतर्गत 1 व्यक्तियों के विरूद्ध कार्यवाही की गयी है। इस प्रकार जिले में कुल 70 व्यक्तियों के विरूद्ध आबकारी एक्ट की धारा 36 (बी) के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया है। जिले में चलाए जा रहे नशा मुक्ति जनचेतना अभियान के तहत विगत एक सप्ताह में नशे का अवैध कारोबार करने वालों के विरूद्ध कार्यवाही करते हुये थाना कोतवाली पुलिस द्वारा 16 लीटर कच्ची शराब, थाना स्टेशनगंज द्वारा 10 लीटर कच्ची शराब, थाना करेली पुलिस द्वारा 35 लीटर कच्ची शराब एवं 55 पाव देशी शराब, थाना गोटेगांव द्वारा 5 लीटर कच्ची शराब, थाना ठेमी पुलिस द्वारा 41 लीटर कच्ची शराब एवं 61 पाव देशी शराब, थाना मुंगवानी द्वारा 25 लीटर कच्ची शराब, थाना गाडरवारा द्वारा 64 कच्ची शराब एवं 14 पाव देशी शराब, थाना साईखेडा द्वारा 94 पाव देशी शराब, थाना तेन्दूखेडा द्वारा 29 पाव देशी शराब, थाना सुआतला द्वारा 13 लीटर कच्ची शराब, 16 पाव देशी शराब एवं थाना पलोहा द्वारा 3 लीटर कच्ची शराब जप्त की गयी है। इस प्रकार कुल 56 व्यक्तियों से 212 लीटर कच्ची एवं 269 पाव देशी शराब कीमती 47480 रूपये पकडे जाकर आबकारी एक्ट के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया है।

चार माह पूर्व थमाये गये थे नोटिस, फिर भी मनमानी पर उतारू

तेंदूखेड़ा- इन दिनों तेंदूखेड़ा क्षेत्र में मनमाने तरीके से कालौनी काटकर उपभोक्ताओं को ठगने का दौर खुलेआम जारी है। अनेकों बार समाचार पत्रों के माध्यम से इनकी वस्तुस्थिति का खुलासा होने तथा कालोनी के मापदंडों को पूरा ना कर पाने के बाबजूद भी इनकी मनमानी पूर्ण कार्यशैली सोचनीय विषय बना हुई है। एक फरवरी 2024को नगर परिषद तेंदूखेड़ा ने पी आई सी की बैठक में प्रस्ताव पारित कर नगरीय क्षेत्र में अवैध रूप से कालौनी विकसित करने के विरुद्ध म प्र नगरपालिका नियम 2021 के नियम 22 के अंतर्गत कार्यवाही प्रस्तावित करते हुए अखिलेश शर्मा को ख नं 29/4/1/3/2 रकवा 0.190हेक्टेयर एवं खसरा नंबर 29/4/1/2/2रकवा 0.219 हेक्टेयर, राजेश गुप्ता को खसरा नंबर 29/4/1/2/4रकवा 2.214हेक्टेयर प्रदीप कुमार साहू को खसरा नंबर 24/4/1/2/4/1रकवा 0.405 हेक्टेयर तथा विन्द्रेश नेमा को खसरा नंबर 29/4/1/2/4/1रकवा 0.405 हेक्टेयर में बगैर मद परिवर्तन किए नगर परिषद की बगैर अनुमति के कालौनी विकसित की जा रही है जिसके अंतर्गत आपके द्वारा अवैध रूप से प्लाटों का विक्रय किया जा रहा है। एवं अन्य निर्माण कार्य भी किए जा रहे हैं आपका यह कृत्य म प्र नगरपालिका कालौनी विकास नियम 2021के नियम 22के अंतर्गत अवैधानिक है। सूचना प्राप्ति से तत्काल कालौनी निर्माण से संबंधित समस्त कार्यवाही पूर्ण कर कार्यालय से अनुमति प्राप्त कर कालौनी विकास से संबंधित कार्य करना सुनिश्चित करें। प्लाटों का विक्रय एवं निर्माण कार्य भी तत्काल बंद करें। लेकिन चार माह बीत जाने के बाबजूद भी अभी तक कोई उचित दस्तावेज अभी तक उपलब्ध नहीं कराये गये हैं।अब नगर परिषद इन्हें पुनः नोटिस थमाने के मूड में हैं। विगत दिनों तेंदूखेड़ा पहुंची कलेक्टर महोदया ने भी इस विषय को संज्ञान में लेते हुए अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को निर्देश भी दिए थे।

हाई-टेंशन लाइन से 200 मीटर दूर हो कालौनी

कालौनीनाइजरों को जो मापदंड निर्धारित किए जाते हैं। उनमें एक विषय यह भी है कि जिस एरिया में कालौनी काटी जाती है वहां जनसुरक्षा और सुविधाओं का होना बहुत ही जरुरी है। और यदि हाई-टेंशन लाइन कालौनी एरिया से गुजरती है तो रेरा के नियमानुसार या तो वहां से लाइन को दूर कराना चाहिए।या फिर 200 मीटर से दूर रहना चाहिए। इस लाइन की जो विकिरणें निकला करतीं हैं उनसे कई खतरे हुआ करतें हैं। ट्यूमर कैंसर या मानसिक विकृति तनाव भी हो सकता है।यहां तक मोबाइल चलाने से लेकर लाइन की परिधि में रहने वाले मानव जीवन पर घातक प्रभाव पड़ता है। पेट्रोल से चलने वाले वाहनों को भी खतरा हुआ करता है।जैसी विभिन्न प्रकार की समस्याओं से जूझना पड़ता है। मानव जीवन को ताक पर रखकर यदि इस तरह से रातों रात प्लाट बेचें जा रहे हैं तो निश्चित तौर पर प्रशासन को तत्काल प्रभाव से दंडात्मक कार्यवाही करनी चाहिए। उपभोक्ताओं को अंधेरें में रखकर जो खेल चल रहा है उन पर प्रतिबंध लगना चाहिए। सुविधाएं मुहैया कराई जायें नहीं तो तत्काल प्रभाव से उपभोक्ताओं की राशि वापिस की जाये।

इनका कहना है

वैसे तेंदूखेड़ा के बारे में मुझे ज्यादा अनुभव नहीं है और ना ही ज्यादा तर वहां रुक पाता हूं। कालौनी के वारे में आप सब इंजीनियर जी से जानकारी कर लें तो अच्छा होगा।

डी एस साहू प्रभारी सीएमओ तेंदूखेड़ा

नगर पालिका कालौनी विकास नियम 2021के नियम 22 के अंतर्गत 1फरवरी 2024 को संबंधित चार व्यक्तियों को नोटिस जारी किए गए थे एवं आवश्यक दस्तावेज अनुमति हेतु लिखा गया था लेकिन अभी तक कोई आवश्यक दस्तावेज भी उपलब्ध नहीं कराये गये हैं। इन्हें पुनः नोटिस जारी किए जा रहे हैं। एवं उचित दंडात्मक कार्यवाही हेतु वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया जा रहा है।

पवन बघेल सब इंजीनियर